पटना ● बुधवार, 04 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः235 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

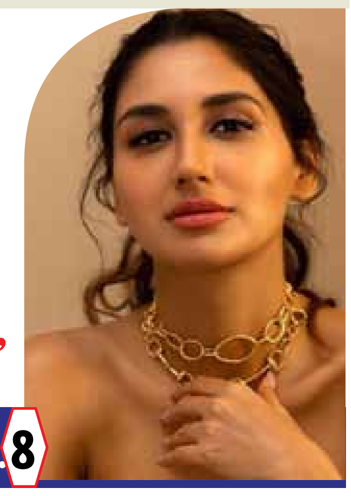

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सेन्ट्रल... 3 www. bordernewsmirror.com शिवमणि के लाइव शो को.. 8

हेलीकॉप्टर ध्रुव की अरब सागर में इमरजेंसी लैंडिंग

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय कोस्टगार्ड के हेलीकॉप्टर ध्रुव को अरब सागर में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। इस दौरान हेलीकॉप्टर में सवार इंडियन कोस्ट गार्ड के दो पायलट लापता हो गए हैं। उनके साथ एक ड्राइवर भी सवार था। उसके बारे में भी कोई खबर नहीं मिल पाई है। अब तक मिली जानकारी के

अनुसार एक क्रू मेंबर को बचा लिया गया है, लेकिन बाकी तीन लोग लापता हैं। यह हेलीकॉप्टर गुजरात में आई बाढ़ से जुड़े राहत एवं बचाव कार्य में जुटा था। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों का कहना है कि हेलीकॉप्टर ने सोमवार की रात को पोरबंदर के पास समुद्र में इमरजेंसी लैंडिंग की थीं। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलट और दो डाइवर सवार थे। अब तक एक ड्राइवर को बताया जा सका है, लेकिन बाकी तीन लोग अब भी लापता है।

शराब घोटाले में केजरीवाल पर सीबीआई की नई चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शराब घोटाले से जुड़े एक मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, एएपी विधायक दुर्गेश पाठक और अन्य के खिलाफ सीबीआई के पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया है। इस बारे में स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने कहा कि केजरीवाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, जिसके बाद उन्होंने

आरोपियों को 11 सितंबर को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 11 सितंबर तक बढ़ा दी। सीबीआई ने 30 जुलाई को अपना चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट (पूरक आरोपपत्र) दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल, पाठक, अमित अरोड़ा, विनोद चौहान, आशीष माथुर और पी. सरथ रेड्डी को मामले में आरोपी बनाया गया था। सीबीआई ने चौथी सप्लीमेंट्री पेश की।

60 हजार जवान नहीं ला पा रहे शांति, उन्हें वापस बुलाएं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के भाजपा विधायक राजकुमार इमो सिंह ने सोमवार को केंद्र से अनुरोध किया कि यदि केंद्रीय बलों की मौजूदगी से हिंसा नहीं रुकती तो राज्य से उनको वापस बुला लिया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में सिंह ने कहा कि यदि केंद्रीय बल ऐसा करने में विफल रहते हैं तो जातीय संघर्ष प्रभावित राज्य में शांति बहाल करने के प्रयास के लिए राज्य सुरक्षा कर्मियों को कार्यभार संभालने की

अनुमति दी जानी चाहिए। सिंह ने कहा कि मणिपुर में लगभग 60,000 केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद शांति नहीं आई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सिंह, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के दामाद भी हैं। उन्होंने कहा, मणिपुर में लगभग 60,000 केंद्रीय बलों की मौजूदगी शांति स्थापित नहीं कर पा रही है, इसलिए बेहतर है कि ऐसे बलों को हटा दिया जाए जो ज्यादातर मूकदर्शक के रूप में मौजूद रहते हैं। हाल में असम राइफल्स की कुछ इकाइयों को वापस बुलाने की कार्रवाई की गई। हम हटाने की कार्रवाई से प्रसन्न हैं।

'निष्क्रिय' लोगों को बाहर का रास्ता दिखाएगी कांग्रेस

यूपी में शुरू हो गई है पार्टी के 'कायाकल्प' की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस में अब संगठन की नजर ऐसे जिला और शहर अध्यक्षों पर है, जो अपना काम पूरी ईमानदारी से नहीं कर रहे हैं। इनकी छंटनी पर फैसला ले लिया गया है। इन पदों पर बेहतर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को तैनात करने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक अगले 10 से 15 दिनों में जिला और शहर अध्यक्षों की लिस्ट नए सिरे से जारी की जाएगी। इन दिनों राष्ट्रीय से लेकर प्रदेश स्तर तक कांग्रेस के संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने की प्रक्रिया चल रही है। बीते दिनों कांग्रेस ने सचिवों की सूची जारी की थी। इसमें यूपी में तैनात रहे सभी 6 सचिवों को फिर से यूपी में ही तैनाती दी गई है। सचिवों की तैनाती के बाद कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और यूपी के सभी 6 सचिवों की बैठक हुई। इसमें संगठन को लेकर चर्चा हुई

और तय हुआ है कि जिलों के संगठन की समीक्षा की जाए। जो भी जिला और शहर अध्यक्ष फिलहाल पूरी तत्परता से काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें चिह्नित करके उनकी जगह पर किसी दूसरे को यह जिम्मेदारी दी जाए। सूत्र बताते हैं कि चिह्नांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही इन लोगों की जगह पर नए जिला और शहर अध्यक्षों के नाम तय किए जाएंगे।

- प्रदेश कमेटी में भी शामिल हो सकते हैं कुछ और लोग

जिला और शहर अध्यक्ष तय होने के बाद प्रदेश कमिटी में भी कुछ और लोगों को शामिल करने की तैयारी है। सूत्र बताते हैं कि पहले से शामिल रहे लोगों को की जिम्मेदारी बदलने पर भी विचार किया जा रहा है। कांग्रेस की मंशा है कि विधान सभा उपचुनाव के पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। हालांकि नेतृत्व की तरफ से साफ कर दिया गया है कि बदलाव किए जा सकते हैं लेकिन इससे उप चुनाव की तैयारियां प्रभावित नहीं होनी चाहिए। लिहाजा उप चुनाव की तारीखें अगर हाल फिलहाल घोषित नहीं होती हैं तो बदलाव की प्रक्रिया उसके पहले ही हो जाएगी। अगर उप चुनाव की तारीखें प्रक्रिया के पहले ही आ जाती हैं तो उप चुनाव तक इन बदलावों को टाला जा सकता है। कांग्रेस यूपी को लेकर काफी अलर्ट है। लोकसभा चुनाव से उसे संजीवनी मिली है।

आप-कांग्रेस हरियाणा में भी साथ लड़ेंगे चुनाव!

- गठबंधन के मूड में हैं राहुल गांधी, जल्द होगा फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के मूड में है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन खबरें हैं कि सांसद राहुल गांधी आप के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि इस संबंध में उन्होंने हरियाणा के कांग्रेस नेताओं से बात भी की है। इससे पहले आप और कांग्रेस दिल्ली, चंडीगढ़ समेत कई क्षेत्रों में साथ मिलकर मैदान में उतर चुकी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से गठबंधन करना चाहते हैं। रिपोर्ट के

अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान उन्होंने हरियाणा कांग्रेस के नेताओं से आप संग गठबंधन की संभावनाओं पर राय भी पूछी थी। हालांकि, अब तक इसे लेकर कांग्रेस की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इससे पहले एक इंटरव्यू के दौरान कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद कुमारी शैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप के साथ गठबंधन की संभावनाओं से इनकार कर दिया था।

ब्रूनेई में पीएम मोदी का रेड कार्पेट वेलकम

● एयरपोर्ट पर क्राउन प्रिंस हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह खुद पहुंचे ● गार्ड ऑफ ऑनर भी, सुल्तान बोल्कैया के महल में भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार दोपहर 3 बजे 2 दिन के दौरे पर ब्रूनेई पहुंचे। एयरपोर्ट पर क्राउन प्रिंस हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह ने उनका रेड कार्पेट वेलकम किया। इसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। यह किसी भारतीय पीएम का पहला ब्रूनेई दौरा है। दोनों देशों के बीच 2024 में राजनयिक संबंधों के 40 साल पूरे हुए हैं। पीएम मोदी ब्रूनेई के सुल्तान हाजी हसन अल-बोल्कैया के निमंत्रण पर यहां आए हैं। रात में दुनिया के सबसे बड़े महल 'इस्ताना नुरुल इमान' में पीएम का भव्य स्वागत हुआ। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा था कि ब्रूनेई भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसेफिक के विजन के लिहाज से एक महत्वपूर्ण साझेदार है।

हाइड्रोकार्बन और प्राकृतिक गैस आयाः भारत ब्रूनेई से हाइड्रोकार्बन आयात कर रहा है और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी के दौरे के दौरान इस मुद्दे पर भी चर्चा होगी। भारत ने ब्रूनेई के हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में 270 मिलियन

डॉलर का निवेश किया है। प्राकृतिक गैस की जरूरतें पूरी करने के लिए इसे और बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच स्पेस टेक्नोलॉजी, हेल्थ पर भी आपसी सहयोग बढ़ाने की कोशिश पर भी चर्चा होगी। भारत, म्यांमार की स्थिति पर चर्चा करेगा। भारत, ब्रूनेई के साथ समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर देगा। भारत दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ साझेदारी को मजबूत करने की कोशिशों में लगा है। इसके जरिए भारत इंडो-पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभुत्व को काउंटर करना चाहता है। ब्रूनेई एक समुद्री सीमा वाला देश है। देश की उत्तरी सीमा साउथ चाइना से लगती है। साउथ चाइना सी को लेकर ब्रूनेई का भी चीन के साथ विवाद है। बोल्कैया ब्रूनेई के 29वें सुल्तान हैं। 1984 में अंग्रेजों के जाने के बाद से वे ब्रूनेई के प्रधानमंत्री पद पर भी हैं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के बाद बोल्कैया सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले राजा हैं। उन्होंने 2017 में 50 साल राज करने पर गोल्डन जुबली मनाई थी। ब्रूनेई जैसे छोटे से देश में सुल्तान सबसे शक्तिशाली व्यक्ति होने के साथ-साथ सबसे अमीर राजाओं में भी हैं। 1980 तक वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। फोर्ब्स के अनुसार, बोल्कैया की कुछ संपत्ति 2008 में 1.4 लाख करोड़ रुपए थी। सुल्तान की विलासिता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने राजा बनने के बाद 50 अरब रुपए का महल बनवाया।

वेस्ट बंगाल विधानसभा में पास हुआ एंटी रेप बिल 'अपराजिता'

- पीड़ित कोमा में गई या मौत हुई तो दोषी को 10 दिन में फांसी होगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को एंटी रेप बिल पास हो गया। नए कानून के तहत रेप केस की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी। इसके अलावा पीड़ित के कोमा में जाने या मौत होने पर दोषी को 10 दिन में फांसी की सजा होगी। भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया है। इसे अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक 2024 (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) नाम दिया गया है। अब इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उसके बाद यह राष्ट्रपति के पास जाएगा। दोनों जगह पास होने के बाद यह कानून बन

जाएगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर हुआ था। इसके बाद देशभर में डॉक्टरों और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन के बाद ममता बनर्जी ने कहा था कि वो राज्य में रेप जैसे अपराध के लिए सख्त कानून बनाएंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री को भी इसके लिए दो बार चिट्ठी लिखी थी। इस बिल के अनुसार, रेप और हत्या करने वाले आपराधी के लिए फांसी की सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों में पुलिस को 21 दिनों जांच पूरी करनी होगी। इस बिर में दरिंदगी करने वाले के खिलाफ चार्जशीट दायर करने के 36 दिनों के भीतर सजा-ए-मौत का प्रावधान है। इस बिल में अपराधी की मदद करने पर 5 साल की कैद की सजा का प्रावधान है।

तेलंगाना-आंध्र में बारिश ने दिखाया रौद्र रूप

● 100 से ज्यादा गांव और शहर डूबे, कई ट्रेनें हुईं रद्द ● बारिश-बाढ़ से 33 लोगों की मौत, गुजरात में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पिछले 3 दिनों से भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ आ गई है। दोनों राज्यों में अब तक 33 लोगों की मौत हुई है। इनमें 17 लोग आंध्र और 16 तेलंगाना के थे। सोमवार (2 सितंबर) की दोपहर तक लगभग 432 ट्रेनें कैंसिल की गईं। 139 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने अपने 50 साल के पॉलिटिकल करियर में यह सबसे बड़ी त्रासदी देखी है। हुदहुद और तितली साइक्लोन की तुलना में पिछले तीन दिनों की बारिश से ज्यादा नुकसान हुआ है। राज्य में करीब 4.5 लाख लोग प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित 23 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। गुजरात के सूरत और भरूच जिलों में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट है। आईएमडी ने अगले 3 दिनों में गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आंध्र प्रदेश में करीब 4.5 लाख लोग बारिश और बाढ़ से प्रभावित हैं। विजयवाड़ा, एनटीआर, गुंटूर, कृष्णा, एलुरु, पालनाडु, बापटला और प्रकाशम में हालात सबसे बुरे हैं। एनडीआरएफ की 20 और एसडीआरएफ की 19 टीमें राहत और बचाव में लगी हैं। विजयवाड़ा में 24 घंटे से ज्यादा समय तक बिजली गुल रहने से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने अपने 50 साल के पॉलिटिकल करियर में यह सबसे बड़ी त्रासदी देखी है। हुदहुद और तितली साइक्लोन की तुलना में पिछले तीन दिनों की बारिश से ज्यादा नुकसान हुआ है। सीएम नायडू ने बताया कि हेलीकॉप्टरों, ड्रोन, नावों, ट्रैक्टरों और वैन के जरिए लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को बताया कि बारिश-बाढ़ से राज्य को कुल 5438 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। 110 रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। इनमें 4000 से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। लगातार बारिश के कारण खम्मम के प्रकाश नगर में मुन्नरू नदी का जलस्तर बढ़ गया है। खम्मम के कलेक्टर मुजम्मिल खान ने कहा कि पिछले 30 सालों में ऐसी बाढ़ नहीं आई है।

जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश से नजदीकी बढ़ा रहा चीन!

राजनीतिक उथल-पुथल का उठाना चाहता है फायदा, भारत के लिए बनेगा खतरे की घंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल के बाद दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक परिदृश्य बदलता नजर आ रहा है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने जहां पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने के संकेत दिए हैं, वहीं चीन ने अब बांग्लादेश पर डोरे डालना शुरू कर दिए हैं। बांग्लादेश में चीन के राजदूत याओ वेन ने सोमवार को वहां की राजनीतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के दफ्तर जाकर पार्टी प्रमुख शफीकुर रहमान से मुलाकात की है। चीन ने भले ही इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया हो लेकिन यह मुलाकात इस मायने में अहम है क्योंकि मार्च 2010 में जमात के खिलाफ युद्ध अपराधों का मुकदमा शुरू होने के बाद पहली बार किसी राजनयिक ने ढाका स्थित जमात-ए-इस्लामी के दफ्तर का दौरा किया है। पुलिस ने 2011 में जमात का दफ्तर

सील कर दिया था लेकिन इस साल शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र विद्रोह और हसीना सरकार की बेदखली के बाद इसे फिर से खोल दिया गया है। सोमवार को चीनी राजदूत ने शफीकुर रहमान से मुलाकात के बाद उनकी पार्टी के बांग्लादेश की एक सुव्यवस्थित पार्टी करार दिया है। उन्होंने बांग्लादेश को एक खूबसूरत देश भी करार दिया। वेन ने कहा कि चीन बांग्लादेश के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है। दरअसल, शेख हसीना के शासनकाल में बांग्लादेश का झुकाव भारत की तरफ ज्यादा था, जबकि पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते बेहद तनावपूर्ण थे। हालांकि, 2014 से 2018 के बीच शेख हसीना के चीन के साथ भी अच्छे संबंध रहे हैं। चीन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और जमात-ए-इस्लामी जैसे राजनीतिक दलों के साथ भागीदारी और द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने पर जोर दे रहा है। शिक्षा, संस्कृति और विकास परियोजनाओं के मुद्दे पर चीन बांग्लादेश की मदद करना चाह रहा है। इसके पीछे मुख्य वजह बांग्लादेश की भौगोलिक अवस्थिति है। बांग्लादेश भारत से सटा हुआ देश है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों का कमाल, 9 नक्सली किए ढेर

- दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 13 घंटे चली मुठभेड़; मारे गए नक्सलियों के शव, हथियार-विस्फोटक बरामद

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 9 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने मारे गए नक्सलियों के शव और स्क्र राइफल, 303 और 315 बोर राइफल, विस्फोटक बरामद किया है। मुठभेड़ किरंदुल थाना क्षेत्र में बैलाडीला के जंगल में हुई। बताया जा रहा है कि करीब 13 घंटे तक मुठभेड़ चली है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन में शामिल सभी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अफसरों के मुताबिक, ज्यादा जानकारी जवानों के लौटने के बाद ही मिलेगी। गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, जवानों की भुजाओं की ताकत है, जिसके आगे पूरा बस्तर शांत होने वाला है। दंतेवाड़ा जिले के एसपी गौरव राय ने बताया कि, बैलाडीला की पहाड़ियों के नीचे पुरंगेल, लोहा गांव की तरफ पश्चिम बस्तर डिवीजन के माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

संक्षिप्त समाचार

दूसरे चरण में दुर्गापूजा बाद यात्रा पर निकलेंगे तेजस्वी

पटना, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव दूसरे चरण की यात्रा पर दुर्गापूजा निकलेंगे। सोमवार को प्रदेश राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने बताया कि अभी नेता प्रतिपक्ष की यात्रा के दूसरे चरण के कार्यक्रम को पर्व-त्योहारों को देखते हुए अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव चार जिलों समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी एवं मुजफ्फरपुर में रहेंगे। चूंकि ये जिले राज्य के बड़े जिले हैं, इसलिए इन जिलों में दो-दो दिन का कार्यक्रम तय किया गया है।

बेटे की पिटाई से आहत महिला ने नदी में लगाई छलांग

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के बूढ़ी गंडक स्थित भुड़कुड़वा घाट पर सोमवार देर शाम बेटे की पिटाई से आहत बरुराज थाने के बरुराज निवासी गोपाल साह की पत्नी मुन्नी देवी (50) ने नदी में छलांग लगा दी। हालांकि, मछुआरे ने उसे बचा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने बताया कि महिला खतरे से बाहर है। गोपाल साह ने बताया कि उसे एक पुत्र हरेश कुमार है। पतोहू हमेशा मुन्नी देवी को ताना बाना देती रहती है, जबकि वह बेटा-पतोहू से अलग रहता है। दिन में बेटा हरेश ने किसी बात को लेकर पत्नी की पिटाई कर दी, जिससे आहत मुन्नी देवी बूढ़ी गंडक में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि नदी में मछली पकड़ने के लिए जाल बिछा रहे मछुआरों ने देख लिया। उसके बाद मछुआरे नदी से बाहर निकाला।

लालूछपरा को जलाने की थी साजिश : शंकर प्रसाद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। किशोरी की हत्या मामले में लालूछपरा पंचायत को जातीय विद्वेष भड़का कर जलाने की साजिश रची गई थी। विरोधी ताकतों ने नीले रंग का गमछा लेकर हजारों युवाओं को गोपालपुर नया टोला भेजा था, जबकि राजद ने हत्या के बाद हत्यारे को फांसी की सजा और परिजन को 30 लाख रुपये मुआवजे की मांग कर चुका था। उक्त बातें राजद के वरीय नेता शंकर प्रसाद यादव न्याय यात्रा के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि गोल्डेन दास पर दर्जनों मामले दर्ज है। कुछ कांडों में वे वांटेड भी है, तब पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी क्या कर रहे थे। प्रशासन को आगाह किया था, लेकिन पुलिस बलों की तैनाती नहीं की गई। उन्होंने अंचल और प्रखंड प्रशासन को कार्यशैली में सुधार लाने की नसीहत दी है। अगर सुधार नहीं हुआ तो कार्यालयों का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा। जिला पार्षद प्रेम गुप्ता ने कहा कि राजद नेता को बदनाम करने के लिए सत्ताधारी नेताओं ने साजिश रची थी। इस मौके पर रामबाबू यादव, जिला पार्षद शंकर राम, प्रखंड अध्यक्ष सत्यदेव पंडित, प्रभाकर सिंह, नागेंद्र सिंह, भोला ठाकुर, अरुण पासवान, रवींद्र पासवान, पूजा सहनी, चंदन सहनी, गजल बिहारी, चंदेश्वर ठाकुर, मो. शमसुद्दीन, मनोज यादव मौजूद थे। इससे पहले गरीबा चौक स्थित आंबेडकर की प्रतिमा स्थल से न्याय यात्रा निकली, जो पारू चौक, हॉस्पिटल चौक निबंधन कार्यालय रोड होते हुए प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंची, जहां सभा हुई।

71 वर्ष की उम्र में रक्तदान कर युवाओं को किया प्रेरित

गया, एजेंसी। अगर कोई व्यक्ति अपने को 60 साल के बाद बुजूर्ग समझते है तो उनके लिए राजकुमार दुबे मिशाल है। जो 71 वर्ष की उम्र में भी रक्तदान कर सभी को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। एपी कॉलोनी के रहने वाले रोटरी गया सिटी से जुड़े राजकुमार दुबे फॉरेस्ट विभाग से सेवानिवृत होने के बाद आज भी सुबह चार बजे उठ कर कई किलोमीटर टहलना व योग करना अपना रूटीन बना लिया है। रक्तदान शिविर में जहां एक युवा रक्तदान करने के पहले अपना बीपी नपाया तो बढ़ा हुआ होने के कारण रक्तदान श्नहीं कर पाया। वहीं 71 वर्ष की उम्र में भी यह आगे बढ़कर रक्तदान किये। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी वह कई बार रक्तदान कर चुके है। रक्तदान करने से कोई कमजोरी नहीं आती है।

बीपीएल परिवारों को सांसद पप्पू यादव देंगे विशेष पर्ची

रसीद दिखा कर ले सकेंगे लाभ

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के बीपीएल परिवार के लिए सांसद पप्पू यादव ने नई पहल की है। पप्पू यादव अब जरूरतमंदों को एमपी जांच पर्ची देंगे। इससे पैथोलॉजी में जांच कराने पर मरीजों को छूट मिलेगी। पूर्णिया शहर के करीब तीन दर्जन पैथोलॉजी पप्पू यादव की जन रसीद देखने के बाद मरीजों को राहत देंगे। पप्पू यादव ने सोमवार को अर्जुन भवन में यह रसीद दिखाते हुए पत्रकारों को बताया कि यह कार्ड जिन्हें मिलेगा उसे छूट मिलेगी। बीपीएल परिवार पैथोलाजी में जांच फ्री में करा पायेंगे। इस कार्ड में पैथोलॉजी के भी नाम हैं। उन्होंने अल्टीमेट देते हुए कहा कि अगर गलत पैथोलोजी बंद नहीं होते हैं तो हम उसे बंद करेंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई में 300 से 400 रुपया डाक्टर फीस लेते हैं। पूर्णिया में भी अगर एक माह के बाद डाक्टर साहब अपनी फीस 500 लेंगे तो हम धरना देंगे। आम आदमी के साथ कोई कंप्रोमाइज नहीं करेंगे। यह धमकी नहीं हमारा आग्रह है। पप्पू यादव ने कहा कि अस्पताल में ड्रेसर की बहाली में कटिहार के एक युवक के द्वारा पैसे लिए गए हैं। यह बात विभागीय अधिकारियों को बताई गयी है। मेडिकल कॉलेज में नए मकान नहीं बन पा रहे हैं। ठेकेदार यहां से चले गए हैं।

पूर्णिया कोर्ट स्टेशन से गिट्टी डिपो केनगर शिफ्ट होगा

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि पूर्णिया कोर्ट स्टेशन और पूर्णिया जंक्शन आने वाले चार माह में दोनों नंबर वन स्टेशन होगा। पूर्णिया कोर्ट रेलवे स्टेशन से केनगर गिप्टी डिपो शिफ्ट किया जायेगा। आदेश हो चुका है। पूर्णिया जंक्शन पर भी रैक प्वाइंट के आसपास चारदीवारी समेत अन्य सुविधा बहाल होंगी। वाशिंग पिट बनते ही, पटना इंटरसिटी चालू होगी। एयरपोर्ट भी जल्द बनेगा। किशनगंज-जलालगढ़ रेल लाइन का आर्डर हो चुका है।

रूपौली बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में हम दे रहे हैं रोटी-नमक - सांसद

पप्पू यादव ने कहा कि रूपौली में बाढ़ के बावजूद इसे सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित नहीं किया। लोगों के घरों में नमक-रोटी नहीं है। पप्पू यादव मदद नहीं करता तो लोगों का जीना मुश्किल होता। महानंदा बेसिन से सीमांचल बर्बाद होगा। इसके तरीके बदलने होंगे। हम जल्द बैठक करेंगे। इस मुद्दे को गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि स्पेशल सर्वे जो आए हैं इसमें पारदर्शिता का अभाव। जमीन किसी का और नाम किसी का।

अब नहीं चलेगी मनमानी, स्कूलों के निरीक्षण की खुद निगरानी करेंगे एसीएस एस सिद्धार्थ, अधिकारियों को दिए टास्क

पटना, एजेंसी। शिक्षा विभाग ने स्कूलों के निरीक्षण को और प्रभावी बनाने तथा इसके बेहतर परिणाम हासिल करने को लेकर कई अहम फैसले लिये हैं। इसी क्रम में विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) डॉ. एस सिद्धार्थ ने निर्देश दिया है कि मुख्यालय के सभी अधिकारियों की स्कूल निरीक्षण की रिपोर्ट निदेशक के माध्यम से उनके पास आएगी, ताकि उस पर तत्काल आवश्यकतानुसार निर्णय ले सकें। विभाग द्वारा जिला और विभागस्तर पर अलग-अलग निरीक्षण कराया जाता है। मुख्यालय से भेजे जाने वाले पदाधिकारियों को जिला आवंटन विभाग स्वयं करता है। पदाधिकारी करीब तीन महीने तक एक ही जिले के स्कूलों का निरीक्षण करते हैं, ताकि इस दौरान वह कमियों को दूर करा सकें। जिलास्तर पर स्कूलों के निरीक्षण कार्य देने की जिम्मेदारी उप विकास आयुक्तों को दी गयी है। विभाग ने साफ कहा है कि स्कूलों के निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति नहीं चलेगी। स्कूल में सुधार अनिवार्य रूप से होना और दिखना चाहिए। तभी, सरकारी स्कूलों के प्रति बच्चों और अभिभावकों में विश्वास जगेगा।

विभाग ने यह भी कहा है कि स्कूल में सुधार नहीं पाये जाने पर निरीक्षण करने वाले संबंधित पदाधिकारियों पर कार्रवाई होगी। विभाग के पदाधिकारी निरीक्षण रिपोर्ट कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में जमा करते रहे हैं। मगर अब वह एक अलग से भी रिपोर्ट तैयार करेंगे, जिसमें स्कूल की कमियों के साथ-साथ उसमें सुधार के उपाय भी बताएंगे। यह रिपोर्ट माध्यमिक शिक्षा निदेशक के माध्यम से अपर मुख्य सचिव के पास जाएगी। रिपोर्ट और सुझाव पर तत्काल कार्रवाई होगी। विभाग ने पदाधिकारियों को कहा है कि स्कूल में निरीक्षण के दौरान वह पर्याप्त समय वहां पर देंगे। स्कूल की हर गतिविधि, पठन-पाठन और उपलब्ध सुविधाओं का संपूर्णता में निरीक्षण करेंगे। साथ ही निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक तथा शिक्षकों के साथ बातचीत करेंगे और जानेंगे कि स्कूल के संचालन में किस तरह की कठिनाइयां सामने आ रही हैं।

4 घंटे के अंदर पुलिस ने बुजुर्ग को बरामद किया: परसा बाजार से अगवा किया गया था, 2 आरोपी भी गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। पटना के परसा बाजार से सोमवार को बुजुर्ग अवधेश प्रसाद (77) को चार घंटे के अंदर बरामद कर लिया। पुलिस ने दो आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। सदर सीडीपीओ 2 सत्यकाम ने बताया कि सोमवार की शाम परसा बाजार थाने को यह सूचना मिली कि पुलिस कॉलोनी अनीसाबाद के रहने वाले अवधेश प्रसाद को अगवा कर लिया गया है।

मकान देखने गए थे बुजुर्ग

परसा बाजार के नाथूपुर में अपने दोस्त डॉक्टर विनोद कुमार के साथ उनका मकान देखने पहुंचे थे। इस दौरान चार लोगों ने स्कॉर्पियो में जबरन बैठा लिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने वायरलेस से सभी थानों को इस मामले के लिए अलर्ट कर दिया था।

बैरिया से बरामद किया गया

पुलिस की एक टीम अपहरणकर्ताओं की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान शुरू कर दी थी। मानपुर बैरिया के नजदीक से अवधेश कुमार को सकुशल बरामद कर लिया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने दो अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी का नाम नीरज कुमार (35) है। वह नालंदा जिले के तेल्हारा के रहने वाले हैं। दूसरा हीरा प्रसाद जो घोसी थाना क्षेत्र के जहानाबाद जिले के निवासी है। पुलिस ने इसके साथ ही स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त किया है।

नदियों पर बने वीयरों को छोटे बराज में बदलने की तैयारी, पूरे बिहार में होगा सर्वे

पटना, एजेंसी। बिहार के विभिन्न इलाकों को बाढ़ से बचाने और सिंचाई एवं पेयजल की सुविधा में बढ़ोतरी करने के लिए नीतीश सरकार नया प्लान लेकर आई है। राज्य की नदियों पर बने वीयरों को छोटे-छोटे बराजों पर बदलने की तैयारी है। हालांकि इनमें कुछ ही वीयरों का चयन किया जाएगा और आवश्यकतानुसार उन वीयरों को बराज में बदला जाएगा। कुछ स्थानों पर वीयर के आसपास नया बराज बनाने की भी योजना है। इसके लिए जल संसाधन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। शीघ्र ही इस योजना पर काम शुरू हो जाएगा। पूरे राज्य में नदियों पर बने वीयरों का सर्वे किया जा रहा है। उनकी जरूरतों का आकलन भी किया जा रहा है। पिछले दिनों कमला वीयर को बराज में बदलने की योजना मंजूर की गई थी। इस वीयर के 100 मीटर डाउनस्ट्रीम में 550 मीटर लंबे बराज की योजना मंजूर की गई है। इसी तरह नाटा वीयर को भी बराज में बदलने की योजना मंजूर हो गई। नए बराजों के निर्माण से किसानों को सिंचाई के लिए अधिक पानी तो मिलेगा ही, बड़े इलाके को बाढ़ की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। मौजूदा वीयरों से इस समस्या के निदान में परेशानी हो रही है। किसानों को सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कम हो पा रही है। यही नहीं, बाढ़ की समस्या पर भी प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। दरअसल, वीयरों की क्षमता कम होने के कारण इनकी उपयोगिता सीमित हो गई है, जबकि जरूरत लगातार बढ़ रही है। तकनीकी रूप से भी कई वीयरों का उन्नयन आवश्यक हो गया है। इसी वजह से वीयरों को बराज में बदलने की योजना बनाई गई है।

क्या है नदियों पर बने वीयर

वीयर एक छोटा सा बांध होता है, जो नदी के ऊपर के जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बनाया जाता है। इसका इस्तेमाल धाराओं, नदियों और अन्य जल निकायों में पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए किया जाता रहा है। वीयर बनाने का लक्ष्य जलस्तर पर कुछ नियंत्रण प्राप्त करना है। इसके निकट संरचना का निर्माण करके पानी निकाला जाता है और उसका उपयोग सिंचाई के लिए भी किया जाता है।

सर्वे से घबराने की जरूरत नहीं, करंट रसीद दिखाने पर उन्हीं के नाम पर रहेगा जमीन-राजस्व मंत्री

मोतिहारी, एजेंसी। सोमवार की शाम राधामोहन सिंह के जन्मदिन के मौके पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार के राजस्व विभाग के मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल मोतिहारी पहुंचे। जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। वहीं सर्किट हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने सर्वे के बारे में जानकारी दी। कहा कि बिहार में जो भूमि सर्वे का काम चल रहा है इसे लेकर शहरी क्षेत्र में तो ठीक है पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में भ्रम कि स्थिति है। वैसे लोगों को हम बता देना चाहते है कि जिनकी जमीन है उनके पास अपने जमीन का करंट रसीद है, वह केवल सर्वेयर को रसीद दिखाएंगे तो उनकी जमीन उन्हीं के नाम पर रहेगा। जिस जमीन पर विवाद चल रहा हो मामला कोर्ट में है वैसे जमीन को प्रथम चरण में छोड़ देना है।

विवादित जमीन का दूसरे चरण में होगा सर्वे

उन्होंने कहा कि 72 प्रतिशत जमीन पर किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है। शेष बचे 28 प्रतिशत, जिसमें किसी तरह का जमीन विवाद है तो उसे दूसरे चरण में किया जाएगा। उसके लिए अलग से रास्ता निकाला जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का अंग वस्त्र और मोमेंटो दे कर स्वागत किया। जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष ने सांसद राधामोहन सिंह जन्मदिन कि बधाई दी। इस मौके पर बीजेपी के जिला अध्यक्ष प्रकाश अस्थाना, मंत्री कृष्ण नंदन पासवान, पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार, विधायक सुनील मणि तिवारी, लालबाबू यादव सहित अन्य मौजूद थे।

भागलपुर में यूरिया से लदी मालगाड़ी बेपटरी:उत्तर प्रदेश से आई थी गाड़ी

आम्रपाली एक्सप्रेस को एक घंटे बिहपुर में रोकना पड़ा

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के नवगछिया रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात मालगाड़ी बेपटरी हो गई। मालगाड़ी में यूरिया लदी थी। मालगाड़ी यूपी के फूलपुर से आई थी। नवगछिया स्टेशन के मालगोदाम में खड़ी की गई थी। मालगाड़ी को मालगोदाम से एक नंबर प्लेटफार्म डाउन ट्रैक पर लाना था। यहां से गाड़ी कटिहार के लिए जाती। प्लेटफार्म पर लाने के दौरान इंजन की तरफ से 26वां और गार्ड की ओर से 17वां बोगी पटरी से उतर गई। ट्रेनों का आवागमन बाधित हो गया। जिस वजह से आम्रपाली एक्सप्रेस को एक घंटे तक बिहपुर स्टेशन पर रोक के रखना पड़ा।

एक्सीडेंट रिलिफ ट्रेन बरौनी से आई

नवगछिया स्टेशन के मालगोदाम में 22 डब्बे से यूरिया अनलोडिंग की गई। 25 डब्बे से यूरिया कटिहार में अनलोड होनी थी। गाड़ी को कटिहार ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बेपटरी हो गई। एक्सीडेंट रिलिफ ट्रेन बरौनी स्टेशन से मंगवाई गई। जिसके बाद दुर्घटनाग्रस्त बोगी को हटाया गया। स्टेशन पर नवगछिया आरपीएफ इंस्पेक्टर मृणाल कुमार, नवगछिया जीआरपी थानाध्यक्ष व अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

बिहार में गाड़ियों का प्रदूषण चालान घटा

दो पहिया वाहन का 1000 रुपये जुर्माना लगेगा

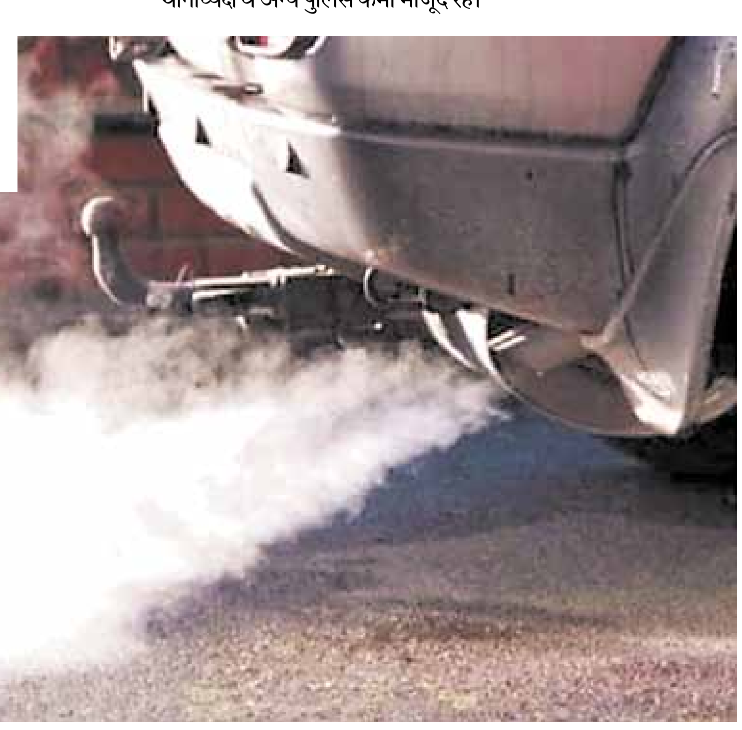

पटना, एजेंसी। बिहार में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के चालान में कटौती हुई है। नीतीश सरकार ने गाड़ियों की कैटगरी के अनुसार चालान की राशि तय कर दी है। परिवहन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि जनहित को देखते हुए प्रदूषण के चालान की राशि को वाहनों की कैटेगरी के अनुसार तय किया गया है। पूर्व में सभी तरह के वाहनों के लिए प्रदूषण का चालान 10 हजार रुपये निर्धारित था। अब इसे घटाकर 1000 रुपये तक कर दिया गया है। यह अधिसूचना बिहार गजट में प्रकाशन की तारीख से पांच दिन के बाद प्रभावी होगी।

परिवहन सचिव ने बताया कि इस फैसले का उद्देश्य वाहन मालिकों को प्रदूषण प्रमाण पत्र अपडेट कराने के लिए पर्याप्त समय देना है। ताकि वे अपने वाहनों को प्रदूषण मानकों के अनुसार अद्यतन कर सकें। इससे वाहन मालिकों को प्रदूषण प्रमाण पत्र अपडेट करने में आसानी होगी और उन्हें दोबारा समन की कार्रवाई से बचाया जा सकेगा। परिवहन सचिव ने वाहन मालिकों एवं चालकों से अपील की है कि वे समय पर अपने वाहनों का प्रदूषण प्रमाणपत्र (पॉल्युशन सर्टिफिकेट) अद्यतन करा लें। केंद्रीय मोटरवाहन नियमावली के अनुसार वाहनों को अपडेटेड प्रदूषण प्रमाणपत्र रखना अनिवार्य है। प्रदूषण प्रमाणपत्र अपडेट नहीं होने की स्थिति में ई -चालान की कार्रवाई का प्रावधान है। प्रदूषण में चालान की राशि जमा करने के लिए सात दिनों का ग्रेस पीरियड भी दिया गया है। यानी कि एक चालान कटने के बाद दूसरा 7 दिनों के बाद ही कटेगा। अभी वाहनों का प्रदूषण प्रमाण पत्र अपडेटेड नहीं रहने पर एक बार ई-चालान कट जाने के बाद कभी भी दोबारा चालान कटने की संभावना बनी रहती थी। परिवहन विभाग के इस नए निर्णय से प्रदूषण प्रमाण पत्र समाप्त होने की स्थिति में प्रथम चालान की तिथि से 7 दिनों के बाद ही दूसरे चालान की कार्रवाई की जाएगी।

अब किस गाड़ी का कितना प्रदूषण चालान कटेगा

दो पहिया वाहन (बाइक, स्कूटर) पहली बार 1000 और दूसरी बार 1500 रुपये
- तिपहिया वाहन (ऑटो, रिक्शा) पहली बार 1500 और दूसरी बार 2000 रुपये
- हल्के मोटरयान (कार, जीप) पहली बार 2000 और दूसरी बार 3000 रुपये
- मध्यम मोटरयान पहली बार 3000 और दूसरी बार 4000 रुपये
- भारी मोटरयान पहली बार 5000 और दूसरी बार 10000 रुपये
- अन्य वाहन पहली बार 1500 और दूसरी बार 2000 रुपये

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सेन्ट्रल टीम ने किया निरीक्षण

- आकांक्षी प्रखंड योजनाओं की हुई समीक्षा
- टीम ने दिया सेवाओं में सुधार का सुझाव

बीएनएम। मोतिहारी

स्वास्थ्य मंत्रालय की उच्चस्तरीय टीम ने मंगलवार को केसरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मुआयना किया तथा सेवाओं की बेहतरी के लिए कई सुझाव दिए। टीम ने केसरिया प्रखण्ड के सभी स्वास्थ्य उपकेन्द्र और एचडब्लूसी की सभी एएनएम, सीएचओ, जीएनएम एवं आशा फ़ैसलीटेटर के साथ बैठक की तथा उनके कार्यों की समीक्षा की। इस टीम का नेतृत्व स्वास्थ्य मंत्रालय के एडीजी डॉ भवानी सिंह ने किया। इस टीम में राष्ट्रीय सलाहकार एनएसीओ अमित सिंह, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहायक निदेशक मिथिलेश कुमार पांडेय आदि शामिल थे। केसरिया प्रखंड में आकांक्षी प्रखंड योजना के तहत स्वास्थ्य सूचकांकों की समीक्षा के दौरान "पहले तिमाही की प्रसव पूर्व जांच" में वृद्धि, संस्थागत प्रसव बढ़ाने, जन्म के समय कम वजन के बच्चों की पहचान, टीबी मरीज की पहचान तथा उसका पूर्ण इलाज, स्वास्थ्य केंद्र आए हुए लोगों की बीपी जांच, उच्च बीपी की पहचान, मधुमेह रोग की पहचान हेतु उसकी जांच तथा इसकी समय पर ऑनलाइन रिपोर्ट करने पर चर्चा की गयी। क्षेत्र में कार्यरत एएनएम, सीएचओ से बैठक कर कार्य में आ रही बाधाओं को चिन्हित कर उसमें सफलता कैसे मिले, इस पर भी चर्चा की गयी। इन चर्चाओं में सभी सहभागी संस्थाओं, अन्य विभाग तथा पीआरआई से समन्वय स्थापित कर लक्ष्य को हासिल करने पर चर्चा की गयी। बाद में टीम ने आईसीटीसी का भी निरीक्षण किया गया। टीम के भ्रमण और बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी जिला लेखा प्रबंधक अभिजीत भूषण, जिला योजना समन्वयक भारत भूषण, जिला अनुश्रवन एंव मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, जिला महामारी पदाधिकारी डॉ राहुल राज सहित सीडीओ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एवं सहयोगी संस्था पीएसआई इंडिया, पिरामल स्वास्थ्य, डब्लूएचओ, यूनिसेफ़ के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज के छात्र ने पूरे बिहार में लाया प्रथम स्थान

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्र रौनक कुमार को चौथे बिहार राज्य ग्रैपलिंग प्रतियोगिता 2024 25 में 60 किलोग्राम वर्ग में पूरे बिहार में प्रथम स्थान मिला है। यह प्रतियोगिता 31अगस्त से 1 सितंबर तक बाढ़,पटना में आयोजित हुआ था। पदक जीतने के बाद महाविद्यालय वापसी पर कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार और मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बुके, मेडल और उपहार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्र छात्राएं खेल कूद में आगे बढ़े,महाविद्यालय परिवार हमेशा आपके साथ खड़ा मिलेगा। महाविद्यालय खेल कूद प्रभारी डॉ. रविरंजन सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में निरंतर खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। विगत दिनों राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित क्रॉस कंट्री रेस में भी महाविद्यालय के 5 बालक तथा 2 बालिकाओं ने भाग लिया। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि रौनक कुमार के इस उपलब्धि से छात्र/छात्राओं के बीच खेल कूद के प्रति लगाव और बढ़ेगा। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. कुमार राकेश रंजन, राजीव कुमार, कामेश भूषण, भुवनेश्वर सिंह, संजीव किशोर,आशुतोष,अमित कुमार,मणिभूषण,अखिलेश कुमार ने शुभकामनाएं देते हुए विजेता रौनक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

आठवें ऑनर्स पेपर की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम। मोतिहारी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर टीडीसी पार्ट थर्ड के आठवें ऑनर्स पेपर की परीक्षा मंगलवार को भी शोर मुक्त व कदाचार मुक्त वातावरण में संचालित हुई। एलएनडी कॉलेज के केंद्राधीक्षक प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि खेलों की भांति परीक्षाएं भी परीक्षार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धा पैदा करती है अतः आत्मविश्वासी खिलाड़ियों की भांति ही परीक्षार्थियों को भी आत्मविश्वासी होना चाहिए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुमार राकेश रंजन अनुसार मंगलवार को प्रथम पाली में ग्रुप ए के हिंदी, उर्दू व समाजशास्त्र तथा द्वितीय पाली में ग्रुप बी के अंग्रेजी व अर्थशास्त्र आठवें ऑनर्स पेपर की परीक्षा थी। प्रथम पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 280 परीक्षार्थियों में 276 उपस्थित व 4 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 73 परीक्षार्थियों में 70 उपस्थित व 3 अनुपस्थित रहे। समाज शास्त्र में 4, उर्दू में 24, हिंदी में 248, अर्थशास्त्र में 38 तथा अंग्रेजी में 32 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। बुधवार को प्रथम पाली में ग्रुप सी के इतिहास तथा द्वितीय पाली में ग्रुप डी के गणित, एआईएच, दर्शन शास्त्र व राजनीति विज्ञान आठवें ऑनर्स पेपर की ली जाएगी। ज्ञात हो कि इस केंद्र पर जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल कॉलेज, घोड़ासहन एवं आदर्श चंपारण डिग्री महाविद्यालय, कोटवा के परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कमलेश कुमार सिंह व आरक्षक भी अपने कर्तव्य निर्वहन पर मुस्तैद रहे। इस परीक्षा के संचालन में डॉ. प्रभाकर कुमार, प्रियंका कुमारी, मुन्ना कुमार, डॉ.मनीष कुमार, रणविजय कुमार सिंह, मनीष कुमार, सहित सभी वीक्षकों/फ्रिस्किंग कर्मियों की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

तुरकौलिया में एक निजी स्कूल का टेंपो पलटा, एक दर्जन बच्चे जख्मी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के प्राइवेट स्कूलों के वाहनों में क्षमता से चार गुना बच्चे को भेड़ बकरियों की तरह ठूस कर ढोया जा रहा है। जिसके कारण आए दिन दुर्घटना हो रही हैं। ऐसा ही मामला मंगलवार को तुरकौलिया थाना क्षेत्र से सामने आया है। जहां निमुइआ स्थित आईआईएसडीआरसी विद्यालय के स्कूल का टेंपो बच्चो सहित अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमे एक दर्जन बच्चे जख्मी हो गए। जख्मी दो बच्चे आशिक राजा व पियूष को गंभीर हालत में चिकित्सक ने मोतिहारी रेफर कर दिया। जबकि कृष,आयुष,आदर्श,मिठू,मनीष, अयसनी खातून सहित अन्य का इलाज एक निजी अस्पताल करा कर अभिभावक अपने बच्चों को लेकर घर चले गए है। सभी जख्मी हरपुर राय व मिलकना टोला के रहने वाले बताए जाते है। स्कूल के निदेशक की पत्नी सह शिक्षिका खुशी कुमारी ने बताई कि टेंपो पर करीब 17 बच्चे स्कूल आ रहे थे। टेंपो का चालक नहीं रहने के कारण निदेशक कुमार संतोष बिहारी स्वयं चला रहे थे। निमुईया दलित बस्ती के पास टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। जबकि प्रत्यक्षदर्शियो का कहना है की टेंपो तेज गति में थी। क्षमता से बहुत ज्यादा बच्चे बैठे हुए थे। जो गाड़ी चला रहे थे वह मोबाइल पर बात कर रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे गाड़ी पलट गई। बताया जाता है की स्कूल का कोई निबंधन नही है। जो नियम के विपरीत संचालित हो रहा है। डीएम सौरभ जोरवाल ने कहा है कि मामले में जांच टीम गठित कर दिया गया है। ऐसी घटना दुखद है। नौनिहालों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

डेंगू के लक्षण दिखने पर इलाज में न करें देरी, सरकारी अस्पताल में उपलब्ध है जांच व इलाज की सुविधा: सीएस

- स्वस्थ डेंगू एवं चिकनगुनिया पर चिकित्सा पदाधिकारियों का हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण
- डेंगू के एडीज मच्छर दिन में ही काटते है, इसका लार्वा साफ जल में पाया जाता है- एसीएमओ

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के रेडक्रॉस प्रांगण में मंगलवार को क्लिनीकल मैनेजमेंट ऑफ डेंगू एंड चिकनगुनिया पर चिकित्सा पदाधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में डॉ. शत्रुघन कुमार नोडल चिकित्सक डेंगू चिकूनगुनिया द्वारा कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सीएस ने बताया कि डेंगू के लक्षण दिखने पर इलाज में देरी न करें। सरकारी अस्पतालों में जांच व इलाज की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने सभी प्रभारियों को दवाओं व वार्ड में मछड़दानी युक्त बेड के साथ अस्पताल को 24 घंटे एलर्ट मोड पर रखने का निर्देश दिया। जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवन कुमार पासवान ने कहा कि राज्य में डेंगू का मामला बढ़ रहा है, ऐसे में आशा कार्यकर्त्ताओ व स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा प्रचार-प्रसार कर इसके मामलों पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिया की स्वास्थ्य कर्मी व आशा कार्यकर्त्ता घर-घर घूमकर लोगों को जागरूक करें। वर्तमान में डेंगू का एक केस मिला है, जो इलाजरत है।

वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि डेंगू के मच्छर दिन में ही काटते हैं, इसका लार्वा साफ जल में ही पाया जाता है। डेंगू एडीज मच्छर के काटने ने से होता है। इसके मुख्य लक्षण बुखार लगना, सर में दर्द होना, शरीर में लाल-लाल चकता होना, उलटी होना, प्लेट्लेट्स काउन्ट का कम होना आदि है। ऐसे में यह देखना जरुरी है कि डेंगू के लक्षण होने पर तुरंत जांच व इलाज हेतु सरकारी अस्पताल में मरीज आएं। देर होने पर यह खतरनाक हो जाता है। उन्होंने बताया कि जिनको पहले से डेंगू हुआ है उन्हें और अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवन कुमार पासवान, प्रशिक्षक डॉ. शत्रुघन कुमार सहित सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, भीडीसीओ रविंद्र कुमार, प्रेमलता कुमारी, गौतम कुमार, डाटा ऑपरेटर धीरज कुमार, चंद्रभानु सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

नोट डबलर गिरोह के साथ होम गार्ड जवान की मिली संलिप्तता

बीएनएम। मोतिहारी

नोट डबलर गिरोह के साथ मिल कर होमगार्ड के दो जवानों के द्धारा ढाई लाख रुपये छीनने के वायरल वीडियो की जांच पूरी कर उसका रिपोर्ट यातायात डीएसपी अभिषेक कुमार ने एसपी कांतेश कुमार मिश्र को सौंप दिया है। जांच में मामला सही पाया गया है मुरारपुर व परशुरामपुर के रहने वाले दोनो होम गार्ड जवान की संलिप्तता नोट डबलर गिरोह के साथ है। जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि हेलमेट पहनकर मुरारपुर के रहने वाले हरी साह बाइक चला रहे है। जबकि उनके पीछे बैठा पुलिस वर्दी में परशुरामपुर के चुमन पासवान उर्फ हरिशंकर पासवान है। दोनो को एक बाइक से दो युवक खदेड़ रहे है। दोनों जवान पुलिस वर्दी में बाइक से आगे आगे भाग रहे है। दोनों को मुरारपुर बघहुत के आगे पकड़ लिया गया। जहां स्थानीय होने के कारण दोनो जवान को ग्रामीणों का स्पोर्ट मिला। और बाइक से भाग गए। उक्त घटना 29 अगस्त को सुबह की थी। ग्रामीणों से गहन पूछताछ व डीयूआई की टीम के जांच के बाद फाइनल रिपोर्ट को डीएसपी अभिषेक ने सौंपा है। डीएसपी ने मंगलवार को बताया कि जांच रिपोर्ट सौंप दिया गया है। जिसमें दोनों जवान की संलिप्तता मिली है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद दोनों जवान पर निलंबन की तलवार लटक गई है। कभी भी एसपी का पत्र निकल सकता है।

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, चोरी के 5 बाइक के साथ 5 गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

पुलिस अधीक्षक (एसपी) कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में घोड़ासहन थाना पुलिस ने मंगलवार को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के 5 सदस्यो को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी के 5 बाइक,दो जिंदा कारतूस व 43 हजार नगद बरामद हुआ है। पकड़े बाइक चोरो की पहचान विवेक घोसाल, थाना-घोड़ासहन,राजू साह, थाना-जितना,मुन्ना कुमार, थाना-घोड़ासहन,बाबु राम, थाना-घोड़ासहन,चन्नु उर्फ सुजीत कुमार, थाना-घोड़ासहन जिला-पूर्वी चम्पारण के रूप में हुई है। जिसमे राजू साह का अपराधिक इतिहास सामने आया है। बताया गया कि सभी बदमाश सीमावर्ती क्षेत्र में सिंडिकेट बना कर बाइक चोरी कर बेचने का कार्य करते थे। जिसका प्रयोग शराब कारोबारियों द्वारा किया जाता था, साथ ही ये लोग बाइक को नेपाल में भी बेचने का धंधा कर रहे थे। इनकी निशानदेही गिरोह में शामिल करीब दर्जन भर अन्य युवक को भी चिन्हित किया गया जिसमे नेपाल के भी कई बदमाश शामिल है। सभी घर छोड़ कर फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी टीम में डीएसपी के अलावे अनुज कुमार पाण्डेय, थानाध्यक्ष, घोड़ासहन थाना, पीएसआई विकास कुमार, दीपक कुमार, मधुकर कुमार व घोड़ासहन थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

डीएम की अभिभावकों से अपील बच्चों को बढ़चढ़ कर खेल में हिस्सा लेने दें

बीएनएम। बेतिया

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण बिहार, पटना तथा जिला प्रशासन पश्चिम चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को बेतिया महाराजा स्टेडियम में जिलास्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2024-25 का भव्य आगाज हुआ। जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर, झंडोत्तोलन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कुल 15 खेलों को इस आयोजन में शामिल किया गया है। मैं हृदय से सबको बधाई देता हूँ। इस खेल आयोजन में 432 टीम भाग ले रही है। यह बड़ी घटना क्रम है। जिलाधिकारी ने ज़ोर देकर कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी काफ़ी महत्व रखता है। यही वजह है कि बिहार में कुछ दिन पहले ही राष्ट्रीय खेल अकादमी की स्थापना राजगीर में हुई है। खेल के महत्व का ही यह परिणाम है कि पहले कुल 44 विभाग थे जो खेल विभाग की स्थापना के साथ 45 हो गये हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ ज़िले के विभिन्न इलाकों से आए अभिभावकों से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बच्चों को बढ़-चढ़ कर खेल में हिस्सा लेने दें। अब वो ज़माना नहीं रहा जब खेलने से करियर प्रभावित होता था अब तो सीधे-सीधे सरकार की नीति है कि मेडल लाओ और नौकरी पाओ। तीनों अनुमंडलों से आए बच्चे-बच्चियां उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। दिनेश कुमार राय ने ज़ोर देकर कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में अनुशासन, टीम वार्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित होती है। बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जो बच्चे इस आयोजन में बेहतर प्रदर्शन करेंगे उन्हें राज स्तर पर प्रदर्शन का मौक़ा मिलेगा और जो वहाँ अच्छा करेंगे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर देश के नेतृत्व का मौक़ा मिलेगा। जिलास्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त खिलाड़ियों द्वारा मशाल दौड़, संत आग्नेश बालिका विद्यालय चुहड़ी, चनपटिया द्वारा स्वागत गान के साथ ही साथ मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति, आलोक भारती शिक्षण संस्थान द्वारा कलर बैंड पार्टी तथा राज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा एनसीसी कैडेट के माध्यम से मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। साथ ही साथ खेल भावना से खेलने का शपथ ग्रहण भी सम्पन्न हुआ। सभी खेल विधा की प्रतियोगिता पछाड़ पद्धति के आधार पर आयोजित की जाएगी। जिला स्तर पर विजेता, उप विजेता, प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी, प्रमाण पत्र से जिला प्रशासन द्वारा नवाजा जाएगा।

वाल्मीकि नगर और गोनौली वन क्षेत्र में नेपाल से आये हाथियों ने मचाया उत्पात

बीएनएम। बगहा

बिहार का इकलौता वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना का जंगल इन दिनों नेपाली हाथियों को आकर्षित करने लगा है। कभी नेपाल के राष्ट्रीय निकुंज चितवन जंगल से भटककर गैंडा, तो कभी नेपाली हाथियों का झुंड वीटीआर के वाल्मीकिनगर एवं गोनौली वन क्षेत्र के जंगल तथा जंगल से सटे सरेहों मे चहलकदमी करते रहते हैं। इसी क्रम में सोमवार की देर रात वीटीआर के गोनौली वन क्षेत्र के वाल्मीकि आश्रम जंगल में स्थित वाल्मीकि आश्रम एसएसबी कैंप के समीप लगभग आधा दर्जन नेपाली हाथियों का झुंड ने तांडव मचाना शुरू कर दिया। तांड़व मचाने के दौरान लोगों के जांच के लिए एसएसबी के द्वारा बनाए गये चेक पोस्ट (गुमटी) को तोड़-फोड किया।साथ ही देव नारायण रौनियार का चलंत ठेला को तोड़-फोड़ कर खाने पीने का जो भी सामान था। उसको भारी नुकसान पहुंचाया । उसके बाद भारतीय वन क्षेत्र से वाल्मीकि आश्रम पहुंचा, जहां आश्रम के आसपास बसे लगभग 50 घर नेपाली नागरिको के झुगी-झोपडी को नुकसान पहुंचाने के उदेश्य से तांड़व मचाना शुरू कर दिया। तब तक नेपाल एपीएफ,नेपाल पुलिस एंव नेपाली नागरिको ने हाथियों के आहट पाकर शोर-गूल मचाना और आग जला कर लुकार बांध कर हाथीयों को भगाना शुरू कर दिया। तब नेपाली हाथियों का झुंड नेपाल सरहद को पार कर फिर से भारतीय वन क्षेत्र में जा पहुंचा। जिसको लेकर वीटीआर प्रशासन ने वनकर्मियों को हाईअलर्ट करते हुए चौकसी बढ़ा दी है। जंगल से सटे वनवर्ती गांवों के लोगों को सरेहों और जंगलों की ओर नहीं जाने के लिए अपील कर रही है। इस संबंध मे वीटीआर के वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डाक्टर नेशामणी के ने मंगलवार को बताया कि नेपाल से गोनौली वनक्षेत्र मे हाथियों की चहलकदमी की सूचना मिली है।सूचना को गंभीरता से लेते हुए गोनौली वनक्षेत्र के प्रभारी वनक्षेत्र अधिकारी एंव वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र अधिकारी राजकुमार पासवान के नेतृत्व में वनकर्मियों को हाईअलर्ट कर चौकसी के लिए तैनात कर दिया गया है। लोगों को सुरक्षित रहने के लिए अपील किया जा रहा है। निदेशक ने बताया कि नेपाल के चितवन और वीटीआर का वाल्मीकिनगर का वनक्षेत्र एक दूसरे से खुला क्षेत्र है। जिससे नेपाल से जंगली जानवर में बाघ,गैंडा, हाथी जैसे अन्य जानवरों का आना जाना लगा रहता है। इन जानवरों की निगरानी के लिए वनकर्मियों को तैनात कर दिया गया है।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

गांधी मैदान में मंगलवार को जिला स्तरीय विद्यालय खेल-कूद प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारंभ डीएम सौरभ जोरवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर डीएम श्री जोरवाल ने प्रतिभागी खिलाड़ियो का हौसला अफजाई करते हुए उन्हे शुभकामनएं दी। मौके पर उप विकास आयुक्त, एडीएम पीजीआरओ, एडीएम आपदा, सदर एसडीएम सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।उल्लेखनीय है, कि इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन खेल विभाग बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के सौजन्य से किया गया है। प्रतियोगिता चार दिनों तक चलेगी जिसमें सरकारी एवं निजी विद्यालयों के करीब 4000 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

कोर्ट स्टेशन के नजदीक निर्माणाधीन आरओबी का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, उप विकास आयुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी के साथ शहर के कचहरी चौक से हवाई अड्डा चौक (मोतीहारी कोर्ट स्टेशन के नजदीक) तक निर्माणाधीन ऊपरी पुल सह सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण मंगलवार को किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, मोतिहारी के वरीय परियोजना अभियन्ता एवं अन्य अभियन्तागण उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा निर्माण एजेंसी को निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करा कर यातायात चालू कराने का निर्देश दिया गया। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के वरीय परियोजना अभियंता के द्वारा निर्माण कार्य को माह अक्टूबर 2024 तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। वरीय परियोजना अभियंता के द्वारा बताया गया कि पुल की कुल लंबाई 497.50 मीटर है जिसमें 26 मीटर रेलवे लाइन के ऊपर है। उन्होंने बताया कि आरओबी के दोनों तरफ मिट्टी भराई का कार्य पूर्ण है जिस पर पहुंच पथ का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उक्त परियोजना के आरओबी वाले भाग का निर्माण कार्य भारतीय रेलवे के द्वारा कराया जा रहा है। वरीय परियोजना अभियंता के द्वारा कार्य समाप्ति की संभावित तिथि 15 अक्टूबर 2024 बताई गई है।

अधिवक्ता सुनील ठाकुर हत्या मामले में एफआईआर दर्ज, दो नामजद

- जन्माष्टमी के दिन अधिवक्ता को मारकर किया गया था जख्मी
- पटना में इलाज के दौरान हुई थी मौत

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी अधिवक्ता सुनील कुमार ठाकुर की हत्या मामले में तुरकौलिया थाना में मंगलवार को एफआईआर दर्ज हुआ है। मृतक अधिवक्ता के छोटे भाई सेमरा निवासी रजनीश कुमार के आवेदन पर पिता पुत्र पर केस दर्ज हुआ है। जिसमे विजय ठाकुर और उनका पुत्र अजित कुमार नामजद बनाए गए है। दिये गये आवेदन में पुलिस को बताया गया है, कि जन्माष्टमी के दिन दोनो भाई घर पर थे। इसी दौरान उसके पट्टीदार विजय ठाकुर आये और बोले कि पारिवारिक विषय पर बात करना है। आप दोनों घर शाम में आइयेगा। दोनों भाई शाम 4 बजे उनके घर गए। बगल में ही उनका घर है। जाते ही विजय ठाकुर और उनका पुत्र गाली गलौज करने लगे। वे लोग कह रहे थे कि हमदोनों भाइयों ने उनका उनकी जिंदगी नरक बना दिया है। सभी झगड़े का जड़ अधिवक्ता सुनील ठाकुर है। इसे जान से मारकर काम खत्म कर दो। इतना सुनते ही विजय ठाकुर के पुत्र अजीत ने बांस उठाकर अधिवक्ता सुनील के सिर पर मार दिया। जिससे वह जख्मी होकर जमीन पर गिर पड़े। ग्रामीण और परिजन आये और बेहोशी की हालत में मोतिहारी इलाज के लिए ले गए। वहां से पटना रेफर कर दिया गया। पटना में ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रभारी थानाध्यक्ष सोनी कुमारी ने बताई की आवेदन के आलोक में एफआईआर दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिम चंपारण मे गबन का खुलासा, स्कूल में बनाया फर्जी हाजिरी

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला के योगापट्टी ब्लॉक के स्कूलों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना में गड़बड़ी की शिकायत का सिलसिला लगातार जारी हैं। एमडीएम राशि की हेराफेरी,बच्चों की अधिक उपस्थिति बना एमडीएम राशि गबन,चावल चोरी कर बेचने जैसे मामले आए दिन उजागर होते रहते हैं। लेकिन दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से बच्चों के निवाला का चपत लगाने वाले टीचरो व जिम्मेदार लोगों के हौसले बुलंद हैं। पश्चिम चंपारण जिला के योगापट्टी ब्लॉक में तीन विद्यालयों में स्कूली बच्चों की फर्जी हाजिरी लगा कर एमडीएम मद में आवंटित राशि में से लाखों का गबन किया गया है। एमडीएम प्रभारी रितेश तिवारी के औचक निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई हुई है। राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय बासोपट्टी के हेडमास्टर बाबुनन्द प्रसाद को 156751 रुपये,तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय महावीरपुर के हेडमास्ट राजेश सिंह से 37768 रूपये और राजकीय उत्क्रमिक माध्यमिक विद्यालय सिरिसिया के हेडमास्टर बनारस राम से 48043 रुपये जमा कराने का आदेश डीपीओ पीएम पोषण योजना कुणाल गौरव ने दिया है। उन्होंने सात दिन के अंदर जिला शिक्षा कार्यालय के पीएम पोषण योजना संभाग में अचूक रूप से जमा कराने का आदेश जारी किया है। बता दे की उपरोक्त करवाई में ब्लॉक के राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय बासोपट्टी में टोटल 591 छात्रों छात्रों का नामांकित है। छात्र पंजी में 416 बच्चे का हाजरी बना था।लेकिन लेकिन निरक्षण के दौरान 235 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।वही राजकीय प्राथमिक विद्यालय महावीरपुर में कुल छात्र-छात्राओं को नामांकन 195 है।लेकिन छात्र पंजी में 154 हाजिरी बना था।लेकिन निरक्षण के दौरान 82 छात्र छात्राएं मौजूद थे।और तो और राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय सिरसिया में कुल नामांकन 327 है, लेकिन छात्र पंजी में 260 दर्ज किया गया हैं। जबकि निरक्षण मे कम बच्चे मिले।

पल्स पोलियों व मिशन परिवार विकास कार्यक्रम को लेकर समन्वय समिति की हुई बैठक

22 सितंबर से पल्स पोलियों और 17 सितंबर से मिशन परिवार विकास अभियान होगा शुरू

बीएनएम। सुगौली

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे मिशन परिवार विकास और पल्स पोलियों अभियान को लेकर मंगलवार को समन्वय समिति की एक बैठक संपन्न हुई। 22 सितम्बर से शुरू होने वाले पल्स पोलियो और 17 से शुरू होने वाले मिशन परिवार विकास अभियान की शुरुआत होनी है। समन्वय समिति की बैठक में दोनों अभियानों के तैयारियों और कार्यान्वयन पर गहन चर्चा हुई। गौरतलब हो कि बच्चों को पोलियो बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए 0 से 05 वर्ष के बच्चों को दो बूंद पोलियो ड्राप पिलाने के लिए जिले में 22 सितंबर से पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मी घर घर जाकर 0 से 05 वर्ष के बच्चों को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर पोलियो की दवा दी जायेगी। वहीं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर केस परिवार विकास कार्यक्रम के तहत सेवा प्रावधान, प्रचार प्रसार, वांछित वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना, क्षमता निर्माण, सक्षम वातावरण बनाना और कुल प्रजनन दर को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए कठोर निगरानी प्रणाली लागू करना जैसे विभिन्न घटक शामिल हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, तथा रुग्णता दरों को महत्वपूर्ण रूप से कम करना है। बैठक मे प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण, प्रभारी चिकत्सा पदाधिकारी डॉ. एमए असद, स्वास्थ्य प्रबंधक आदित्य रंजन, प्रखंड समुदायिक उत्प्रेरक नितेश कुमार गिरी, नोडल पदाधिकारी डॉ विनय शंकर सिंह, प्रखंड समन्वयक आइसीडीएस, कमरान आलम, एफएम डब्लूएचओ से संजीव कुमार, काउंसलर अंकित कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित मौजूद थे ओर।

भाजपा का सदस्यता ग्रहण कर विकसित भारत बनाने के लिए मजबूत कीजिए: आशुतोष शंकर सिंह

बीएनएम। शिवहर

देश के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में भाजपा की नई सदस्यता ग्रहण कर भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ किया। विकसित भारत के संकल्प पूर्ति के लिए मैं भाजपा का सदस्य बना हूं। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश सह कोषाध्यक्ष आशुतोष शंकर सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने सोमवार से सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सदस्य बनने के लिए बस एक मिस्ड कॉल करना होगा। इस सदस्यता अभियान को पीएम नरेन्द्र मोदी ने लॉन्च किया। बीजेपी मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल सहित सभी मंत्रियों ने सदस्यता अभियान की शुरुआत में मिस्ड कॉल के जरिए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। आज पटना में बीजेपी प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, स्वास्थ मंत्री मंगल पांडे, बेतिया सांसद संजय जयसवाल सहित सकड़ो कार्यकर्ताओं ने सदस्यता ग्रहण कर इसकी शुरुआत की।आशुतोष ने कहा कि अगर आप भी बीजेपी की सदस्यता लेना चाहते हैं तो आपको अपने फोन से मोबाइल नंबर 8800002024 पर मिस्ड कॉल करना होगा। मिस्ड कॉल करने के बाद आपके फोन पर एक मैसेज प्राप्त होगा, जिसमें मेंबरशिप नंबर दर्ज होगा। प्रदेश सह कोषाध्यक्ष ने कहा कि आप भी सपरिवार भाजपा का सदस्य बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत को विकसित भारत बनाने के लिए मजबूत कीजिए।

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। वह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितियों का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है।

हिमंत बिस्वा सरमा का वक्तव्य : जमीयत उलेमा-ए-हिंद की व्यर्थ आपत्ति

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के 'मियां मुस्लिम' संबंधी बयान पर इन दिनों एक विशेष वर्ग की ओर से जमकर राजनीति हो रही है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद एवं वे तमाम संगठन इस वर्ग विशेष के अगुआ हैं जो मुस्लिम हितों की गारंटी ही नहीं लेते बल्कि सरकार एवं अन्य समाजों के बीच अपनी आवाज यह कहकर बुलंद करते हैं कि भारत में मुसलमानों के साथ नाइंसाफी हो रही है। उनका यह आरोप आम है कि हुकूमत उन पर बहुत जुल्म कर रही है। अब यह अलग बात है कि केंद्र की मोदी सरकार या इससे पहले की कांग्रेस या अन्य सरकारें, जिनके कार्यकाल में लगातार अल्पसंख्यकों में सबसे अधिक लाभ मुसलमानों को दिया गया और उन्होंने बहुत सफलता से उसे उठाया भी है। फिर भी इस वर्ग के अधिकांश आम लोगों को हुकूमत से शिकायत है। दूसरी ओर राज्यों के स्तर पर भी अब तक जितनी सरकारें हुईं, जिसमें असम भी शामिल है और आज के वहां जो मुख्यमंत्री हैं, वे हिमंत बिस्वा सरमा भी। उन सभी प्रदेशों और इनके मुख्यमंत्रियों ने शासन स्तर पर योजनाओं के लाभ और संवैधानिक नियमों के अनुसार अल्पसंख्यकों को मिलने वाले हितों में कोई कमी मुसलमानों के लिए कभी नहीं रखी है, जिसमें आज भारत सरकार एवं राज्य सरकार के पास मुसलमानों को मिले लाभ के आंकड़े भी मौजूद हैं। इसके बाद भी भारत की ये इस्लामिक संस्था 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' और इन जैसी अन्य इस्लामी संस्थाएं हैं कि इन्हें हर उस सरकार से शिकायत है, विशेषकर उससे जो भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं। कहना होगा कि हिमंत बिस्वा सरमा के इस 'मियां मुस्लिम' बयान को लेकर व्यर्थ ही 'जमीयत उलेमा-ए-हिंद' टारगेट कर रहे है, जबकि वह जानती है कि मुख्यमंत्री विस्वा सरमा का ये वक्तव्य भारत के मुस्लिम नागरिकों के लिए नहीं है, जो कहा जा रहा है वह बांग्लादेश के घुसपैठियों के लिए है। फिर भी उसे इस शब्द के बोलने पर आपत्ता है। सोचने वाली बात है कि जमीयत को ये इस हद तक बुरा लग गया कि उसने मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने तक का आग्रह कर डाला ! आश्चर्य यह भी है कि जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी सीजेआई तक ही नहीं रुकते। वह गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर असम के मुख्यमंत्री पर तुरंत कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जमीयत चीफ ने मुख्यमंत्री हिमंत के बयान को संपूर्ण भारत के मुसलमानों से भी जोड़ दिया है। कह रहे हैं, 'असम के मुख्यमंत्री का दिया यह बयान संपूर्ण भारत के मुसलमानों को एक विशेष नजरिए से देखता है। भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को मियां बुला कर सीएम ने उन्हें दूसरे दर्जे के नागरिक का दर्जा देने की कोशिश की है।' अब जरा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का पक्ष भी जान लेना चाहिए; असम कैबिनेट ने कुछ समय पहले ही राज्य की स्वदेशी मुस्लिम आबादी के सामाजिक- आर्थिक सर्वेक्षण को मंजूरी दी थी। साल 2022 में पांच मुस्लिम वर्गों की पहचान करके उन्हें स्वदेशी असमिया मुसलमानों के रूप में मान्यता दी गई। ये सभी असमिया भाषा बोलने वाले लोग हैं। किंतु दूसरा एक और समुदाय है, जिसे असम में मियां मुसलमान कहा गया है और ये लोग बांग्लाभाषी हैं और उनमें जो संख्या बांग्लादेश से आकर यहां बस गई है, उस जनसंख्या का अनुपात 90 प्रतिशत से अधिक बताया जाता है। इसलिए इस मुस्लिम आबादी को लेकर अक्सर यहां विवाद होता है। यहां हिमंत बिस्वा सरकार एक फिल्टर लगाने की बात करती है ताकि बाहरी मुस्लिमों की पहचान आसान हो और उन्हें बाहर किया जा सके। हिमंत बिस्वा कहते हैं, 'मैं असम को 'मियां भूमि' नहीं बनने दूंगा। असम के जनसांख्यिकी को परिवर्तित करने और स्थानीय लोगों को अल्पसंख्यक में लाने के लिए एक राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अतिक्रमण चल रहा है। यह केवल मैं नहीं कह रहा, बल्कि स्वर्गीय गोपीनाथ बोरदोलोई, विष्णुराम मेधी और माननीय सुप्रीम कोर्ट का भी कहना है।' यहां समझनेवाली बात यह भी है कि असम को छोड़ कर सभी उत्तर-पूर्वी राज्यों में यह कानून है कि गैर-स्थानीय लोग भूमि का अधिग्रहण नहीं कर सकते। चूंकि असम में ऐसा कानून नहीं है, इसलिए बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बसने के लिए विकल्प के तौर पर इस राज्य को चुना है, जिससे उन्हें भूमि व अन्य संबंधित अधिकार जैसे-सरकारी सहायता, रोजगार, चिकित्सा-लाभ आदि प्राप्त करने में आसान मदद मिलती है। वस्तुतः यही कारण है कि आज यहां बांग्लादेशी घुसपैठियों ने राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना को पूरी तरह से बदल दिया है। 1901 में राज्य का एक भी जिला मुस्लिम बहुल नहीं था। किंतु हम देखते हैं कि वर्ष 2001 से 2011 के बीच यहां भारी बदलाव देखने में आया और राज्य के नौ में से छह जिले मुस्लिम बहुल हो गए। इन आंकड़ों पर भी गौर करें कि वर्ष 1971 में जो असम राज्य में हिंदुओं की आबादी 72.5 प्रतिशत थी, वह समय के साथ बढ़ने के स्थान पर घटती चली गई । 2001 में घटकर 64.9 और 2011 में 61.46 प्रतिशत रह गई। इसके उलट मुसलमान हैं कि उनकी जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है। 1971 में मुस्लिम आबादी 24.6 प्रतिशत थी, जो 2001 में बढ़कर 30.9 और 2011 में 34.2 प्रतिशत हो गई। यानी 10 वर्ष में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत बढ़ गई ! आज मुस्लिमों की असम में बढ़ती जनसंख्या के लिए तीन अनुमान हमारे सामने हैं। एक- हितेश्वर सैकिया जो वर्ष 1992 में तत्कालीन मुख्यमंत्री असम थे, उनके अनुसार बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या 32 लाख थी। दो- 2004 में कांग्रेस की मनमोहन-संप्रग सरकार ने इस बात को संसद में स्वीकारा था कि घुसपैठियों की संख्या 50 लाख तक हो गई है। तीन- उसके बाद आई मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में इन घुसपैठियों की जनसंख्या 80 लाख से ऊपर होना बताया था। जो 2011 में राज्य की कुल आबादी 3.3 करोड़ का 25 प्रतिशत हैं। अभी हाल ही में किए गए तीन अलग शोधों में यह सामने आ चुका है कि हिन्दू असम में वर्ष 2040 से 2051 के बीच मुसलमानों की तुलना में अल्पसंख्यक हो जाएंगे। यहां दिक्कत यह है कि इस मुस्लिम बहुल असम में बांग्लादेशी मूल के लोग सबसे अधिक होंगे। कहना होगा कि यह मुस्लिम जनसंख्या का आंकड़ा अचानक नहीं है। यह उनकी जन्म दर के संख्यात्मक विस्फोट का परिणाम है। बांग्लादेश से घुसपैठ नहीं रुक पाने के कारण से ही यह बार-बार कहा जा रहा है कि असम का 20 वर्ष में मुस्लिमीकरण हो जाएगा। अभी नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) को लेकर भी सभी ने देखा कि कैसे इसे विवाद का विषय इस्लामवादियों ने पूरे देश में बना दिया था। इसके माध्यम से पूरे विश्व को ये संदेश देने की कोशिश की गई कि मोदी सरकार असम में मुसलमानों को प्रताड़ति कर रही है। यहां पूरे असम को आग के हवाले करने में कोई हिचक इन इस्लामवादियों में नहीं थी। जबकि इससे जुड़ी हकीकत यह है कि इसे 1951 में असम के सभी निवासियों के लिए 2014 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर लागू किया गया था। उद्देश्य भी साफ था कि 25 मार्च, 1971 के पहले से जो राज्य में रह रहे हैं, उन लोगों या उनके पूर्वजों की पहचान की जाएगी, और उस आधार पर जिन्हें 1951 का नागरिक पाया जाएगा, वे अद्यतन एनआरसी में शामिल हो जाऐंगे । पूरा एनआरसी सर्वोच्च न्यायालय की देखरेख में किया गया था, किंतु इसके बाद भी व्यापक तौर पर एक बड़ी संख्या जो बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, अपना नाम इसमें डलवाने में कामयाब हो गए। यहां फर्जी पहचान के आधार पर कई बांग्लादेशियों ने भूमि-भवन, सरकारी लाभ भी प्राप्त कर लिए हैं । यही कारण है कि भाषायी तौर पर इनकी असली पहचान कर इन्हें राज्य से बाहर करना आज बहुत कठिन हो गया है । इस सब के बीच हमें यह जरूर याद रखना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2015 में उपमन्यु हजारिका आयोग गठित किया गया था, इस आयोग ने बांग्लादेश के साथ सटी सीमा की स्थिति पर अदालत को अपनी अहम चार रिपोर्ट सौंपी थीं। इसमें घुसपैठ रोकने का एकमात्र उपाय यही बताया गया था कि असम में कानून बनाकर भूमि, रोजगार, व्यापार आदि सिर्फ उनके लिए आरक्षित किया जाए, जिनके नाम या जिनके पूर्वजों के नाम 1951 के एनआरसी में मौजूद हैं, वे असम के निवासी माने जाएं और अन्य को इससे बाहर कर दिया जाए। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को प्रमुख बनाते हुए एक समिति बनाई थी, उसने भी 2020 में वही सुझाव दिए जोकि पूर्व में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित कमेटी दे चुकी थी। इसने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भूमि, रोजगार, व्यापार के अधिकारों की रक्षा करने वाला कानून केवल उनके लिए हो, जिनके नाम 1951 एनआरसी में हैं। अब इस पूरे मामले की समीक्षा के बाद आप वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यों को देखिए; वह क्या कर रहे हैं? वह बता रहे हैं कि असम में 'मियां मुसलमानों' की घुसपैठ के कारण ही मूल असमियां लोगों के अस्तितत्व पर संकट आया है। यदि ठोस उपाय नहीं किए गए तो 2040 तक असम की स्थानीय आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी। इसलिए वे (मुख्यमंत्री) उन सारे प्रयासों को कर रहे हैं।

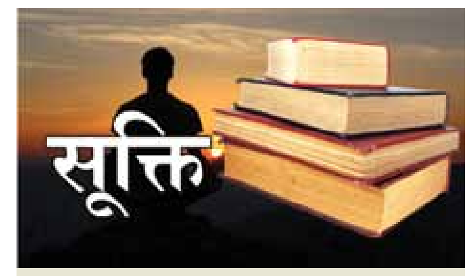

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है

- धीरुभाई अम्बानी

मैं कर सकता हूँ, यह विश्वास है। केवल मैं ही कर सकता हूँ, यह अंधविश्वास है

- अज्ञात

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि प्रतिपदा, बुधवासरे, 5/17 उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रे, साध्य योगे, वव करणे, कन्या की चंद्रमा, चंद्रदर्शन मुर्हूत, व्यापार मुर्हूत, कन्याकेतु तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, शासक प्रशासक तथा उत्तम वृत्ति वाला, लकड़ी का व्यापारी, आरा मशीन वाला व जंगल का ठेकेदार, लकड़ी खरीदने व बेचने वाला व्यापारी होगा।

मेष राशि :- धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, समय की अनुकूलता से लाभान्वित होंगे।

वृष राशि - अधिक चिंताग्रस्त न हों, विवादास्पद स्थितियां सामने आयेंगी, धैर्य से कार्य करें।

मिथुन राशि - अधिक चिंताग्रस्त न हों, अधिकारियों से तनाव व क्लेश तथा अशांति बनेंगी।

कर्क राशि - प्रयत्न सफल न हो भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे, ध्यान दें।

सिंह राशि - अशांति उपद्रव धन का व्यय अस्थिरता का वातावरण, कष्टप्रद बना ही रहेगा।

कन्या राशि सामाजिक कार्यो में चिंताएं कष्ट पहुँचायेंगी, सतर्कता पूर्वक रुके कार्यो को निपटा लेंवे।

तुला राशि - आपको गुप्त चिंताएं कष्ट पहुँचाएगी, सतर्कता पूर्वक रुके कार्यो को निपटा लेंवे।

वृश्चिक राशि - आशानुकूल सफलता से हर्ष कार्यगति में सुधार चिंता निवृति अवश्य होवेगी।

धनु राशि - इष्टमित्र सुख वर्धक होंगे, अधिकारियों से अशांति तनाव बने, भ्रमित न होंवे।

मकर राशि - उदारशीलता, मानसिक बैचेनी, कार्य व्यवहार में उद्विघ्नता से कार्य अवरोध होगा।

कुंभ राशि - कुटुम्ब की समस्या बनी रहेगी, प्रयत्न शीलता विफल होगी, कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि - प्रबलता प्रभुत्व वृद्धि, दैनिक समृद्धि के साधन जुटायें, कार्य योजना फलीभूत होगी।

भाजपा का चुनावी मशीनरी पर से भरोसा उठा

हरिशंकर व्यास

लाख टके का सवाल है कि चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव भाजपा को कौन लड़ा रहा है? दो राज्यों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। जम्मू कश्मीर में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन खत्म हो गया है और प्रचार शुरू है, जबकि दूसरे चरण के मतदान के लिए पर्चा भरने की प्रक्रिया चल रही है। हरियाणा में पांच सितंबर को अधिसूचना जारी होगी और उसी दिन से नामांकन शुरू होगा। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे चार अक्टूबर को आएंगे और उसके तुरंत बाद चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव की घोषणा करेगा। सवाल है कि क्या इन चार राज्यों में भाजपा की प्रदेश कमेटियां चुनाव लड़ या लड़वा रही हैं या राज्यों के प्रभारी चुनाव लड़वा रहे हैं या चारों राज्यों में नियुक्त चुनाव प्रभारियों के पास चुनाव लड़ाने का जिम्मा है या इससे अलग कोई व्यक्ति या संगठन पार्टी को चुनाव लड़ा रहा है? ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा का अपनी चुनावी मशीनरी पर से भरोसा उठ गया है। उसने भाजपा के संगठन और साथ ही राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के नेटवर्क को ताक पर रख दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा एडहॉक तरीके से काम कर रही है, यह दिख रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का विस्तारित कार्यकाल भी खत्म गया है लेकिन पार्टी ने उनको फिर से एक सेवा विस्तार देने की औपचारिकता नहीं निभाई। वे ऐसे ही अध्यक्ष बने हुए हैं। यही हाल सभी प्रदेश कमेटियों का है। हर जगह प्रदेश कमेटियां सिर्फ हैं, उनको कोई काम नहीं करना है। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं वहां भी भाजपा ने उनको किनारे ही करके रखा है। जम्मू कश्मीर में भाजपा का पूरा संगठन ही शिथिल कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पसंद से राम माधव को कश्मीर घाटी की राजनीति संभालने के लिए भेजा है। चार साल पहले पार्टी महासचिव पद से हटा कर उन्हे बियाबान में भटकने के लिए छोड़ दिया गया था। वे भाजपा और संघ दोनों से बाहर थे। हालांकि परदे के पीछे से वे प्रधानमंत्री के लिए विदेश मामलों में कुछ काम करते थे लेकिन राजनीतिक भूमिका नहीं बची थी। उन्होंने चूंकि कश्मीर घाटी की पार्टियों खास कर पीडीपी के साथ अच्छे संबंध बनाए हैं और सज्जाद लोन या अल्ताफ बुखारी जैसे नेताओं के साथ भी कामकाजी रिश्ते हैं तो उनको वहां की राजनीति संभालने के लिए भेजा गया है। जम्मू की राजनीति पहले जितेंद्र सिंह कर रहे थे लेकिन अब नेशनल कॉन्फ्रेंस में लंबे समय तक रहे उनके भाई देवेंद्र सिंह को भाजपा में शामिल कराया गया है। सोचें, वे उमर अब्दुल्ला के राजनीतिक सलाहकार थे। उनके जिम्मे जम्मू की राजनीति है। भाजपा के अपने पुराने चेहरे गायब हैं। पूर्व मुख्यमंत्री निर्मल सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कविंद्र गुप्ता दोनों की टिकट की घोषणा नहीं हुई है। भाजपा ने पहले जी किशन रेड्डी को वहां का प्रभारी बनाया था लेकिन अब रेड्डी को राम माधव के साथ काम करना है। इसी तरह हरियाणा में भाजपा ने पिछले 10 साल से गैर जाट की राजनीति की है और इसी वजह से उसको सफलता भी मिली लेकिन चुनाव से ऐन पहले उसने कांग्रेस की किरण चौधरी को पार्टी में शामिल कराया और राज्यसभा भेज दिया। दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद बनने से खाली हुई राज्यसभा सीट पर किरण चौधरी उच्च सदन में गई हैं। अब किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ प्रचार कर रहे हैं। सोचें, हरियाणा में भाजपा के तमाम पुराने नेता रामबिलास शर्मा, अनिल विज, ओमप्रकाश धनखड़, कैप्टेन अभिमन्यु आदि हाशिए में हैं और परिवारवाद के कथित विरोधी नरेंद्र मोदी की पार्टी में हरियाणा के तीनों लालों के परिवार के सदस्य राजनीति कर रहे हैं। देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला, बंशीलाल की बहू किरण चौधरी व पोती श्रुति चौधरी और भजनलाल के बेटे कुलदीप बिश्नोई, बहू रेणुका बिश्नोई और पोते भव्य बिश्नोई भाजपा की राजनीति के चेहरे हैं।

कमला हैरिस या ट्रम्प में कौन बनेगा अमेरिकी राष्ट्रपति

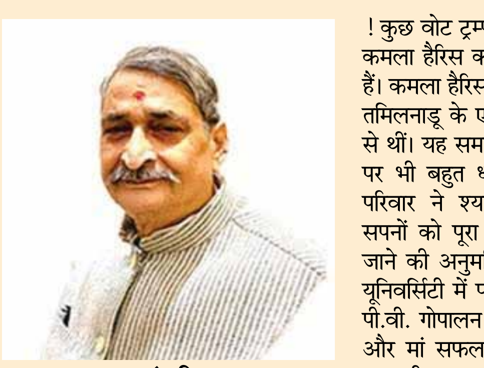

आर.के. सिन्हा

अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में? अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को तो आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है और प्रतिदिन कमला की लोकप्रियता बढ़ती ही चली जा रही बताते हैं। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल- मेल बैठकर काम तो करेगी ही ! यह बात भारत- अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट तो कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही ! कुछ वोट ट्रम्प के खाते में भी जाएंगे। पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन , तमिलनाडू के एक कुलीन बाह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा पर भी बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी। जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पी.वी. गोपालन भी सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहणी थी। गोपालन जी सरकारी दफ़्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबईऔर कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद, कमला हैरिस की मां श्यामला ने अमेरिका का उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए रूख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की , जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमाईका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं ना कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं। उधर, ट्रम्प का भी अपना एक ख़ास जनाधार है ही। वह अमेरिका के 2016-2020 के दौरान राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रम्प वह व्यक्ति भी हैं जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है। वह इसे कितना गंभीरता से मानते हैं और क्या वह सफल होंगे, यह अनुमान का विषय है, लेकिन कम से कम उन्होंने वादा तो किया ही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन भी गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अपने ढंग से कुछ काम भी कर रहे हैं । उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिल सकती है। लेकिन न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रम्प की जीत विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छी मानेंगें?

भारत -अमेरिका संबंध- अब जरा बात कर ले भारत- अमेरिका संबंधों की। तो ज़्यादातर राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं , इससे भारत - अमेरिका संबंधों पर कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाऊस में ट्रम्प पहुंचते हैं या कमला हैरिस। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं।दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनेल्टी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से संबंध और बेहतर तो हो सकते हैं। यह हमने नरेन्द्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए। उसके बाद से उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से आपसी और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अक्सर बातचीत होती ही रहती है। एक बात और। अगर ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाते हैं तो संसार के इस्लामिक देशों के साथ वे किस तरह का संबंध बनाकर रखना चाहेंगे? वह पहली बार जब राट्रपति का चुनाव जीते थे तब सारा इस्लामिक संसार दुखी था। वह अपनी कैंपेन के दौरान बार-बार इस्लाम को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने इस्लाम को अमेरिका विरोधी बताते हुए उनके अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तक दोहराई थी। हालाकि उन्होंने कहा था कि उनकी लड़ाई कट्टरपंथी मुसलमानों से है। लेकिन , इस बार वह संभल कर चल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पनपने के लिए बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रम्प के इस तरह के बयानों पर उन्हें अमेरिका के गैर- मुसलमानो का समर्थन भी मिला। डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे से सनसनी पैदा हो गई थी कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद दुनिया भर के मुसलमान जश्न मनाने के लिए 'सड़कों पर उतर' आए थे।उसके बाद उन्होंने कहा, अरब और अमेरिकी मुसलमानों ने आंतकी हमलों का जश्न मनाया था। ट्रम्प ने अपने देश में मुसलमानों की निगरानी करने के लिए एक डाटा बेस बनाने का भी वादा किया था। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका के मुस्लिमों पर तगड़ी निगरानी जरूरी होगी। तब उनकी अमेरिकी मीडिया ने तीखी आलोचना की थी। लेकिन ट्रम्प अपने रुख पर कायम रहे थे ।यह सच है कि अमेरिका में 9/11 की घटना के बाद औसत अमेरिकी मुसलमानों से डरने और सतर्क रहने लगा था। हालांकि 9/11 की घटना के बाद दुनिया अब बहुत कुछ बदल चुका है। फिलहाल तो यह देखने वाली बात है कि अमेरिका का नया राष्ट्रपति कौन बनता है।

वर्षा जल को बर्बाद होने से बचाएं

विष्णु अग्रवाल

मानसून का महीना हर किसी को आत्मिक आनंद से सराबोर करने वाला होता है इस समय नील व्योम काली घटाओं के केन्द से बंद मेघो के माध्यम से वसुधा को अपनी असमी स्वर्णिम जलबूंदो से तरबतर करने को उत्साहित व आतुर दिखाई पड़ता है। शीतलता भरी छुअन घुल जाने से प्राणी जगत को भीषण गर्मी से राहत मिलने लगती है। भले शहर में मिटटी के लोग बारिश में भीग जाने से कतराते हो, लेकिन गांव में तो आज भी बारिश को एक उत्सव व त्योहार के रूप में मनाने व बिंदास होकर खूब भीग जाने की परम्परा जीवित है। यहां तो बारिश के आगाज के साथ ही नग्गे बदन बच्चो की टोलियां में धमा चौकड़ी मचाती हुई देखी जा सकती है। हम मानसून की मस्ती में इतने भी मशगूल नही हो जाए कि वर्षा जल संचयन को ही भूल जाऐ। हाल के वर्षो मे वर्षा जल संचयन को लेकर व्यक्तिगत प्रयासो में कमी आई है। पहले गांवो में वर्षा जल संचयन परंपरा का एक अभिन्न अंग हुआ करता था। दुनिया के सर्वाधिक बारिश होने वाले क्षेत्रो में भारत भी है, यहां हर वर्ष बर्फ पिघलने ओर वर्षा जल के रूप में औसतन ४००० अरब घनमीटर पानी प्राप्त होता है, जबकि यह देश वर्षा जल का १८६९ अरब घनमीटर (मतलब सिर्फ ४६ प्रतिशत) पानी का उपयोग कर पाता है, बाकी ५४ प्रतिशत पानी व्यर्थ में बहकर नदी-नालो के द्वारा समुद्र में चला जाता है। मणिपुर से भी छोटे इजराइल जैसे देशो में जहां वर्षा का औसत २५ से.मी. से भी कम है, वहां भी जीवन चल रहा है। वहां जल प्रबंधन तकनीक अति विकसित होकर जल की कमी का आभास नही होने देती, अपितु कृषि से कई बहूमूल्य उत्पादो का निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। बारिश के पानी का विभिन्न स्रोतो व प्रकल्पों व सुरक्षित व संग्रहित रखना व करना वर्षा जल संचयन कहलाता है। वर्षा जल संचयन वर्षा जल के भंडारण को संदर्भित करता है, ताकि जरूरत पड़ने पर बाद में इसका उपयोग किया जा सके। इस तरह व्यपाक जलराशि को एकत्रित करके पानी की किल्लत को कम किया जा सकता है। भारत में पेयजल संकट एक प्रमुख समस्या है। भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा ह और इस वजह से पीने के पानी की किल्लत बढ रही है सिकुडती हरित पटटी इसका मुख्य कारण है। पेड़ों से जहां पर्याप्त मात्रा में वर्षा हासिल होती है वही यही पेड़ भूमिगत जल का स्तर बनाये रखने में भी अहम् भूमिका निभाते है। लेकिन दुत गति से होने वाले विकास कार्यो ने हमारी हरित पटटी की तेजी से बलि ली है उसी का नतीजा है कि न सिर्फ भूमिगत जल

का स्तर नीचे गया है, बल्कि वर्षा में भी लगातर कमी आई है। गौरतलब है कि भारत में दो सौ साल पहले लगभग २१ लाख सात हजार तालाब थे। साथ ही लाखो कुंऐ, बावड़ियां झीलें पोखर और झरने भी हमारे देश की गोदी में हजारो नदियां खेलती थी, किन्तु आज से नदिया हजारो में से केवल सैकड़ो में ही बची है। ये सब नदिया कहां गई कोई नही बता सकता है। जिस भारत में ७० प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा हो यहां आज स्वच्छ जल का उपलब्ध न हो पाना विकट समस्या है। आज देश में करीब ६० करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे है। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी न मिलने के चलते हर साल जान गंवा देते है। नीति आयोग द्वारा जारी समग्र जल प्रबंन्धन सूचकांक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जिसमें कहा गया है सन २०३० तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जायेगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगो के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश की जीडीपी में छह प्रतिशत की कमी देखी जायेगी। वर्षा जल संचयन के लिए वर्तमान में कई वैज्ञानिक व परंपरागत विधिया प्रयोग में लायी जा रही है। यहां कुछ ऐसी ही विधियों व प्रणाली का उल्लेख किया जा रहा है, जो वर्षा जल संग्रह में सहायता कर सकती है। यह वर्षा जल संग्रहण की सबसे उत्तम व आसान विधि है। इस विधि से संचित पानी को किसी अन्य माध्यम से स्वच्छ किये बिना ही इसका मानवहित में उपयोग किया जा सकता है। बांध परियोजनाओं का सफल निर्माण बारिश के जल को संग्रहित करने में काफी कारगर सबित हो सकता है। बांध जैसे प्रकल्पों में जलराशि को लंबे समय तक बांधकर इसका उपयोग नहरों के माध्यम से सिंचाई के प्रयोजनों के लिए किया जा सकता है। अगर अब भी हम सचेत नही हुए तो दक्षिण अफ्रीकी शहर केपटाउन की तरह भारत को भी पानी सपने में ही देखने को नसीब होगा हालाकि पूरे विश्व में धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से ९७ प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नही है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ ३ प्रतिशत है। इसमें भी २ प्रतिशत पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र १ प्रतिशत पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मानव का दायित्व बनता है कि वो अपने हिस्सा का पानी पहले से ही संग्रहित करके रखे। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों और गुजरात के कुछ इलाको ने पारंपरिक रूप से घर के अन्दर भूमिगत टैंक बनाकर जल संग्रह करने का प्रचलन है, इस परम्परा को अन्य राज्यों में लागू कर हम इस गंभीरता को कम कर सकते है। कठोर कानून के द्वारा नदियों में छोड़े जाने वाले अपशिष्ट पर लगाम लगाकर जल प्रदूषण को रोका जा सकता है और वर्षा चक्र को बाधित होने से बचाया जा सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गृह विज्ञान का करियर आज की प्रगतिशील व आधुनिक खयालों वाली महिला के लिए आदर्श करियर है। उनके लिए बेहतर विकल्प है, जिनके पास सौंदर्य-बोध है, समकालीन कला की समझ है और आधुनिक हाउसकीपिंग को लेकर जिज्ञासा है। कोई भी गृह विज्ञान के पांच अंगों खाद्य

गृह विज्ञान

आधुनिक महिलाओं का आदर्श करियर

गृह विज्ञान का नाम आते ही एक ऐसे विषय का भान होता है, जिससे घर को बनाने-संवारने में मदद मिलती है। यह विज्ञान भी है और कला भी। इसमें कई विधाओं का समागम है, जैसे रसायन विज्ञान, भौतिकी, जीव विज्ञान, स्वच्छता, अर्थशास्त्र, बाल विकास, समाजशास्त्र, पारिवारिक संबंध, सामुदायिक जीवन, कला, भोजन, पोषण, पहनावा, वस्त्र, गृह प्रबंधन इत्यादि। आधुनिक गृह विज्ञान हाउसकीपिंग के तमाम खास पहलुओं का मिला-जुला रूप है। गृह विज्ञान का करियर आज की प्रगतिशील व आधुनिक खयालों वाली महिला के लिए आदर्श करियर है। उनके लिए बेहतर विकल्प है, जिनके पास सौंदर्य-बोध है, समकालीन कला की समझ है और आधुनिक हाउसकीपिंग को लेकर जिज्ञासा है। कोई भी गृह विज्ञान के पांच अंगों खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, मानव विकास, वस्त्र विज्ञान और संचार में से किसी में भी विशेषज्ञता हासिल कर सकता है या सबकी सामान्य समझ हासिल कर सकता है। खाद्य एवं पोषण में विशेषज्ञता हासिल करने वाले को खाद्य पदार्थों के पोषक तत्वों, खाद्य अपमिश्रण, आहार परामर्श, खाद्य संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण, स्वास्थ्य के प्रति सामुदायिक जागरुकता इत्यादि की विस्तृत जानकारी मिलती है। संसाधन प्रबंधन में प्रबंधन सिद्धांत व व्यवहार, ऊर्जा संसाधन प्रबंधन, उपभोक्ता जागरूकता, आवासीय व वाणिज्यिक भवनों की योजना व परिकल्पना इत्यादि की बारीकियों का पता चलता है। वहीं मानव विकास के बारे में पढ़ाई करने से मानव विकास के क्रमिक चरणों का पता चलता है। वस्त्र विज्ञान कपड़ों के बारे में समझ पैदा करता है, जिसमें टेक्सटाइल डिजाइनिंग से लेकर मर्केन्डाइजिंग तक की समझ विकसित होती है।

पाठ्यक्रम व योग्यता

इसमें स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री लेने के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है, जिसमें विषय के रूप में पीसीबी का होना जरूरी है। पास कोर्स के लिए बारहवीं में वैकल्पिक विषय के रूप में गृह विज्ञान होना चाहिए। स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा के लिए किसी भी विषय से स्नातक होना जरूरी है। उन लोगों को वरीयता दी जाती है, जिन्होंने गृह विज्ञान में स्नातक किया हो। जहां तक व्यक्तिगत गुणों का सवाल है तो अभ्यर्थी में वैज्ञानिक दृष्टि का होना जरूरी है, रचनात्मकता और सौंदर्यबोध होना चाहिए, संवाद कला में निपुण होना चाहिए, घर का काम करने के प्रति स्वाभाविक रुझान होना चाहिए।

कहां है अवसर

जिन्होंने गृह विज्ञान से पढ़ाई की है, उन्हें प्रोडक्शन, पर्यटन, सेवा क्षेत्र, अध्यापन, तकनीकी या सेल्स में अवसर मिल सकते हैं। स्वरोजगार भी एक विकल्प है। इनके अलावा गैर-सरकारी संगठनों में भी अवसर मिलते हैं।

प्रोडक्शन इंडस्ट्री

इसमें शामिल है खाद्य संरक्षण, ड्रेस मेकिंग, स्पेशलाइज्ड कुकिंग, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग। इनके अलावा फूड इंडस्ट्री में या होटल में भी काम मिल सकता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग या खाद्य संरक्षण विभागों में बतौर फूड एनालिस्ट, क्वालिटी एनालिस्ट, क्वालिटी कंट्रोलर, क्वालिटी मैनेजर की नौकरी मिल सकती है।

पर्यटन व सेवा क्षेत्र

होटल व हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज में अवसर हैं। अस्पतालों, प्रसूति गृहों, स्लिमिंग सेंटर्स या बोर्डिंग स्कूलों में रोजगार के अवसर खुले हैं। सर्विस इंडस्ट्री में गृह विज्ञान स्नातकों की भारी मांग है।

शोध एवं अध्यापन

फूड साइंटिस्ट, रिसर्च एसोसिएट्स, अध्यापक व व्याख्याता के रूप में भी करियर विकल्प मौजूद हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों व कॉलेजों में अध्यापन का काम किया जा सकता है।

सेल्स एवं टेक्निकल

खाद्य उत्पादों, बेबी फूड्स, गारमेंट्स की सेल्स लाइन में भी काम मिल सकता है। इसके अलावा फूड एनालिस्ट, फूड साइंटिस्ट, डेमोंस्ट्रेटर्स के रूप में भी अवसरों की कमी नहीं है।

क्या है कमाई

गृह विज्ञान की पढ़ाई करने वाले को न्यूनतम 10,000 रुपये की नौकरी मिल सकती है। सारा दारोमदार अभ्यर्थी की व्यक्तिगत दक्षता पर है कि वह खुद को किस तरह पेश करता है। अनुभव के साथ-साथ वेतन में भी बढ़ोत्तरी होती है।

जब बोरियत करने लगे बोर

ऑफिस में भी एक जैसा काम करते से रहने से मन ऊब सकता है। अगर चाहकर भी आप अपना वर्किंग प्रोफाइल नहीं बदल पा रहे हों, तो उसी काम को करने का तरीका बदल लेना चाहिए।

इस बात में शक नहीं है कि एक जैसा काम करने से बोरियत हो सकती है। प्रफेशनल लाइफ में भी यह बात लागू होती है। हालांकि बोर होने पर नौकरी नहीं छोड़ी जा सकती, लेकिन बोरियत

इस बात में शक नहीं है कि एक जैसा काम करने से बोरियत हो सकती है। प्रफेशनल लाइफ में भी यह बात लागू होती है। हालांकि बोर होने पर नौकरी नहीं छोड़ी जा सकती, लेकिन बोरियत दूर करने के उपाय जरूर किए जा सकते हैं।

दूर करने के उपाय जरूर किए जा सकते हैं।

एक कंस्यूमर प्रॉडक्ट बनाने वाली कंपनी के एच.आर. हेड अरुण सहगल कहते हैं, बोरियत के हालात से निबटने की जिम्मेदारी दोनों की होती है, कंपनी की भी और खुद एंप्लॉई की भी। हर एंप्लॉई को समय-समय पर अपने जॉब प्रोफाइल के बारे में गौर करना चाहिए। प्रोफाइल को फैलाने से न सिर्फ कंपनी में इमेज अच्छी होती है, बल्कि ज्यादा और नया काम करने से बोरियत को भी दूर भगाया जा सकता है। कंपनी की बात करें, तो सक्षम लोगों को और ज्यादा अहम जिम्मेदारियां दी जानी चाहिए।

हालांकि ज्यादातर प्रफेशनल्स का कहना है कि हर पद के लिए काम निर्धारित होते हैं। ऐसे में मेनेजमेंट के लिए यह संभव नहीं होता कि योग्य लोगों को ज्यादा महत्वपूर्ण काम दे सकें। एक अन्य कंपनी में एचआर डाइरेक्टर शांतनु बनर्जी कहते हैं, %हर एंप्लॉई को खुद ही काम के दौरान मोटिवेशन हासिल करना चाहिए। काम को रोचक बनाने के लिए टीम वर्क का सहारा लिया जा सकता है। एक्सपर्ट्स यही कहते हैं कि काम में रुचि बनाए रखने की जिम्मेदारी खुद एंप्लॉई की होती है, एंप्लॉयर की नहीं।

आप भी बोरियत से बचने के लिए कई तरीके आजमा सकते हैं, जैसे -

- कलीग्स से अच्छे रिश्ते बनाएं। इससे आप किसी से भी बात करने में संकोच नहीं करेंगे।
- काम के बीच में सभी कलीग्स से मिल लें, लेकिन काम का नुकसान न होने दें।
- काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें।
- नए स्किल्स सीखने की कोशिश करें।
- नई चुनौतियों का सामना करें।

कॉमन लॉ

एडमिशन टैस्ट (क्लैट), कॉरपोरेट जगत में करियर की राह

कॉरपोरेट जगत हो निजी कंपनी या उद्योग, इसे आगे ले जाने के लिए कानून के दांवपेच जानना जरूरी है। इसके लिए देश में जगह-जगह लॉ अधिकारी, विधि विशेषज्ञ और उसके जानकार रखे जाते हैं। लेकिन इस पेशे में आने या इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए अच्छे-खासे हुनर की भी जरूरत पड़ती है। तीन साल की एलएलबी और उच्च स्तर पर एलएलएम की डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही कानून की धाराएं और उससे जुड़े मामलों का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। इस तरह की जरूरतों को देखते हुए ही देश में जगह-जगह लॉ स्कूल और विश्वविद्यालय खोले गए हैं। इनमें दाखिले के लिए अब अलग-अलग टैस्ट देने की बजाय कैट, मैट की तर्ज पर क्लैट शुरू किया गया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पहल पर तैयार किया गया कॉमन ला एडमिशन टैस्ट अब एक ही प्रवेश परीक्षा के जरिए 11 लॉ यूनिवर्सिटीज में दाखिले का दरवाजा दिखाएगा। इसमें दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। क्लैट 2011 के आयोजन का जिम्मा प. बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी को दिया गया है।

टैस्ट की रूपरेखा

राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रवेश परीक्षा में 12वीं पास छात्रों के लिए दो घंटे का पेपर होगा। यह दो सौ अंकों और दो सौ सवालों से लैस होगा। इसमें अंग्रेजी कॉम्प्रिहेंशन से जुड़े सवाल 40 अंकों के, सामान्य ज्ञान और करंट अफेयर्स के प्रश्न 50 अंकों के, गणित के प्रश्न 20 अंकों के और लॉजिकल रीजनिंग और लीगल अवेयरनेस के सवाल क्रमश: 45-45 अंकों के होंगे। अंग्रेजी कॉम्प्रिहेंशन में छात्रों की भाषा और व्याकरण की परख की जाएगी। कॉम्प्रिहेंशन पर आधारित शब्दों के अर्थ और उसके इस्तेमाल के बारे में पूछताछ की जाएगी। खाली जगहों को भरना होगा। वाक्य-विन्यास को सही करना होगा। उपयुक्त शब्दों के चयन से जुड़े सवाल होंगे। सामान्य ज्ञान या समसामयिक घटनाओं की परख के तहत पिछले एक साल, मई 2010 से 11 तक में मीडिया में चर्चित घटनाओं और उनसे जुड़े प्रसंगों के बारे में ज्ञान की परख की जाएगी। गणित एलिमेंटरी स्तर का होगा, यानी खासकर दसवीं स्तर तक। लीगल एप्टीट्यूड और लीगल अवेयरनेस में छात्रों से लीगल तर्क की समझ की परख की जाएगी। इसमें ज्ञान की बजाय उनकी व्यावहारिक या आधारभूत समझ को देखा जाएगा। दो वर्षीय एलएलएम में दाखिला पाने के इच्छुक स्नातक पास छात्रों का भी दो घंटे का और दो सौ अंकों का पेपर होगा। इनमें लॉ ऑफ कांट्रेक्ट, लॉ ऑफ टार्ट्स, क्रिमिनल लॉ, संवैधानिक लॉ और लीगल थ्योरी के क्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। इसमें प्रश्नों की संख्या 102 होगी। दो सवाल विवरणात्मक या निबंध की तरह के होंगे। इसके लिए 50-50 अंक निर्धारित हैं। अन्य सभी वस्तुनिष्ठ 100 सवाल एक एक अंक के निर्धारित हैं। दाखिला पाने के बाद छात्रों को पांच साल के कोर्स में स्नातक से जुड़े विषय और कानूनी पहलू से जुड़े पेपर के बारे में विशेष रूप से बताया जाएगा। इसे करने के बाद छात्रों को अलग से स्नातक करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें एलएलबी और स्नातक, दोनों की डिग्री शामिल है।

दाखिले की योग्यता

पांच वर्षीय एलएलबी में 12वीं पास छात्रों को आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस में 50 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसी तरह दो वर्षीय एलएलएम में एलएलबी 55 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आरक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम अंक में 5 फीसदी की छूट है।

दाखिले का कार्यक्रम

पांच वर्षीय एलएलबी के डिग्री कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 2 अप्रैल रखी गई है। इसके लिए आवेदन फॉर्म संबंधित संस्थान और तय किए गये भारतीय डाकघरों से दिए जा रहे हैं। प्रवेश परीक्षा 15 मई को रखी गई है।

कहां मिलेगा दाखिला

टैस्ट में सफल होने वाले छात्रों को देश की 11 लॉ यूनिवर्सिटीज में दाखिला लेने का मौका मिलेगा। इनमें नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलुरु, नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट भोपाल, वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी गांधीनगर, राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटियाला, चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस लीगल स्टडीज, कोच्चि शामिल हैं।

11 लॉ यूनिवर्सिटी में दाखिले की प्रक्रिया शुरू
बारहवीं पास छात्रों के लिए पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स
एलएलबी डिग्री धारकों के लिए एलएलएम करने का मौका

पेरिस पैरालिंपिक: भारत के लिए ऐतिहासिक रहा सोमवार का दिन

2 स्वर्ण सहित जीते 8 पदक, प्रधानमंत्री मोदी ने सराहा

नई दिल्ली। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत के लिए सोमवार का दिन असाधारण था। इतिहास रचा गया, रिकॉर्ड तोड़े गए और 12 घंटे से भी कम समय में नए मील के पत्थर हासिल किए गए। भारत ने ऐतिहासिक सोमवार को आठ पदक जीतकर अपने कुल पदकों की संख्या 15 कर ली है। सिर्फ़ एक दिन में, भारत ने 1988-2016 के बीच अपने पूरे पैरालिंपिक पदकों की बराबरी कर ली और एक ओलंपिक में अब तक जीते गए पदकों से ज़्यादा पदक जीत लिए। यह निश्चित रूप से भारत के पैरालिंपिक/ओलंपिक इतिहास का सबसे विजयी दिन था। यह वास्तव में भारतीय खेल इतिहास के सबसे महान दिनों में से एक था।

प्रधानमंत्री मोदी लगातार बढ़ा रहे हैं खिलाड़यों का हौसला- शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद देश को गौरवान्वित करने वाले एथलीटों को जब देश के मुखिया का साथ मिलता है तो उनका आत्मविश्वास और खुशी सातवें आसमान पर होता है। सोमवार को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नितेश और चीयर 4 भारत को टैग करते हुए अपने एक्स पर लिखा 'पैरा बैडमिंटन पुरुष एकल एसएल 3 में नितेश कुमार की सफलता शानदार रही है और उन्होंने स्वर्ण पदक जीता है। उन्हें अपनी अविश्वसनीय क्षमताओं और दृढ़ता के लिए जाना जाता है। वह उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं।' इससे पहले भी सुमित अंतिल, तुलसीमथी मुरुगेसन, सुहास यतिराज, योगेश कथुनिया, शीतल देवी और राकेश कुमार, मनीषा रामदास और नित्या श्री सिवन ने जब अपनी अपनी प्रतियोगिताओं में पदक जीते, तब तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई संदेश देकर देश के लिए एक प्रेरणा बताया। प्रधानमंत्री ने हर पदक जीत के बाद कभी सोशल मीडिया तो कभी फोन के जरिए खिलाड़ियों से बात की और उन्हें शुभकामनाएं भी दीं, साथ ही उन्होंने असफल एथलीटों को प्रोत्साहित भी किया। प्रधानमंत्री ओलंपिक, पैरालिंपिक या किसी भी बड़े खेल इवेंट के बाद खिलाड़ियों से मिलते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं।

शानदार सोमवार- दिलचस्प संयोग यह है कि पैरालिंपिक में भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ दिन भी सोमवार - 30 अगस्त, 2021 को आया था। सुमित अंतिल पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए और उन्होंने यह उपलब्धि बहुत ही शानदार तरीके से हासिल की - उन्होंने पैरालंपिक में अपना ही रिकॉर्ड फिर से तोड़ दिया (दो बार)। इस सोमवार को नितेश कुमार ने भी स्वर्ण पदक जीता। बैडमिंटन में तुलसीमथी मुरुगेसन (एसयू5) और सुहास यतिराज (एसएल4) ने रजत पदक जीते और एथलेटिक्स में योगेश कथुनिया (डिस्कस एफ56) ने रजत पदक जीता। शीतल देवी और राकेश कुमार की अद्वितीय जोड़ी ने मिश्रित कंपाउंड तीरंदाजी में शानदार कांस्य पदक जीता, जबकि बैडमिंटन स्टार मनीषा रामदास (एसयू5) और नित्या श्री सिवन (एसएच6) ने भी कांस्य पदक जीता।

नितेश ने पैरों में चोट के बावजूद जीता बैडमिंटन का सोना- पैरा बैडमिंटन में एक घंटे और बीस मिनट के रोमांचक मुकाबले में नितेश कुमार ने ग्रेट ब्रिटेन के पसंदीदा डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक

जीता। दृढ़ निश्चय, बेहतरीन तकनीक और गंभीर धैर्य (सबसे लंबी रैली 122 शॉट की थी) दिखाते हुए नितेश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को गेम में पीछे छोड़ दिया। उनके बेदाग डिफेंस और सटीक हमले ने बेथेल को आश्चर्यचकित कर दिया। भारतीय ने ब्रिटिश खिलाड़ी के खिलाफ 10 प्रयासों में अपनी एकमात्र जीत हासिल की।

दादरी (हरियाणा) में जन्मे नितेश का पहला प्यार फुटबॉल था। हालाँकि, 2009 में विजाग में एक दुखद दुर्घटना ने उनकी आकांक्षाओं को चकनाचूर कर दिया, जिससे उन्हें महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा और पैर में हमेशा के लिए चोट लग गई। इस झटके के बावजूद, नितेश का खेल के प्रति प्यार अटूट रहा। आईआईटी मंडी में पढ़ाई के दौरान नितेश को बैडमिंटन के प्रति नया जुनून पैदा हुआ। उन्होंने कोर्ट पर अपने हुनर को निखारा, अक्सर स्वस्थ शरीर वाले लोगों को चुनौती दी। नितेश का सबसे बड़ा पल 2020 में आया, जब उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक पदक विजेता प्रमोद और मनोज को हराकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। घरेलू टूर्नामेंट में उनके दबदबे ने भारत के अग्रणी पैरा-बैडमिंटन एथलीटों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया।

दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार के शिकार योगेश ने जीता रजत- चक्का फेंक खिलाड़ी योगेश कथुनिया के लिए यह एक नियमित प्रक्रिया बन गई है, उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में फिर से रजत जीतने के लिए सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (इस बार 42.22 मीटर) किया, टोक्यो में अपनी उपलब्धि को दोहराते हुए, वह ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे। योगेश को नौ साल की उम्र में गिलियन-बैरे सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार हो गया था, जिससे क्वाड्रिपेरेसिस (एक ऐसी स्थिति जिसमें प्रभावित व्यक्ति के चारों अंगों में मांसपेशियों की कमजोरी होती है) हो जाती है। उसकी माँ ने उसे बचाया, फिजियोथेरेपी सीखी और तीन साल के भीतर योगेश ने फिर से चलने के लिए पर्याप्त मांसपेशियों की ताकत हासिल कर ली। अब वह दो बार पैरालिंपिक रजत पदक विजेता हैं।

मनीषा ने कमजोर हाथ को बनाया मजबूत और जीता कांस्य- कोर्ट पर पच्चीस मिनट। 21-12, 21-8। पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास का कांस्य पदक, भारत का दिन का तीसरा पदक, बहुत ही शानदार था। जन्म से ही मनीषा का दाहिना हाथ क्षतिग्रस्त हो गया था, क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें पैदा करते समय एक नैदानिक गलती की थी। 12 साल की उम्र से पहले तीन सर्जरी करवाने के बावजूद वह अपना हाथ सीधा नहीं कर पाई। उसने कक्षा पांच में बैडमिंटन पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया और केवल 17 साल की उम्र में, विश्व चैंपियनशिप में सफलता हासिल की और 2022 बीडब्ल्यूएफ महिला पैरा-बैडमिंटन प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीता। 2024 में, वह अब पैरालिंपिक कांस्य पदक विजेता हैं।

एक हाथ वाली तुलसीमथी का कमाल- मौजूदा चैंपियन यांग किउ ज़िया से 17-21, 10-21 से पराजित, तुलसीमथी मुरुगेसन ने उस शानदार फॉर्म को दोहराने के लिए संघर्ष किया, जिसने उन्हें इस फ़ाइनल में पहुँचाया था। तुलसी केवल अपने दाहिने हाथ से खेलती है, उनका बायाँ हाथ एक दुर्घटना के बाद और भी ख़राब हो गया था। तुलसी बैडमिंटन में सर्व करने के लिए केवल एक हाथ का उपयोग करती हैं, शटल और रैकेट दोनों को एक ही हाथ में पकड़ती हैं। इसके बावजूद 22 वर्षीय तुलसी ने रजत जीता।"

सुहास यतिराज ने फिर रचा इतिहास- ऐसा हर रोज़ नहीं होता कि आप किसी आईएएस अधिकारी को पैरालंपिक पदक जीतते देखें, लेकिन भारत ने ऐसा दो बार होते देखा है। सुहास यतिराज भले ही लुकास माजुर के अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खेली गई प्राकृतिक शक्ति से चकित रह गए हों (वे 9-21, 13-21 से हार गए), लेकिन 41 वर्षीय खिलाड़ी ने रजत पदक जीता, क्योंकि उन्होंने पहले राउंड में शानदार प्रदर्शन करके अपनी पहली वरीयता को बरकरार रखा। बाएं टखने में जन्मजात विकृति के साथ जन्मे सुहास की गतिशीलता पर असर पड़ता है, लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चुनौतीपूर्ण नौकरी और अपने खेल करियर के बीच संतुलन बनाए रखा है, और उनका दूसरा पैरालिंपिक रजत पदक उनकी व्यावसायिकता, कौशल और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

शीतल और राकेश ने मिलकर जीता शानदार कांस्य पदक- अंतिम सेट में एक अंक से पिछड़ने के बाद, शीतल देवी और राकेश कुमार को पता था कि उन्हें जीतने के लिए परफ़ेक्ट प्रदर्शन करना होगा। और उन्होंने ऐसा किया, चार तीरों में चार टेन के साथ उन्होंने इटली के एलेनारा सार्टी और माटेओ बोनासिना पर दबाव बनाया... दबाव के कारण भारतीयों ने 156 के संयुक्त पैरालंपिक रिकॉर्ड स्कोर के साथ रोमांचक कांस्य पदक प्लेऑफ़ जीता, जबकि इटली के 155 थे। शीतल के लिए, यह उनके तेज़ी से आगे बढ़ने का एक और प्रमाण था, जबकि राकेश के लिए यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्षों तक लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने का इनाम था। राकेश 2009 में एक दुर्घटना के बाद से व्हीलचेयर पर हैं, जिसके कारण उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लग गई थी, और आज वे जिस ऊंचाई पर हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्होंने गंभीर अवसाद को झेला है। इस बीच, किशोर सनसनी शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ चिकित्सा स्थिति के साथ हुआ, जिसका मतलब था कि उसके हाथ बहुत कम विकसित थे। 'हाथहीन तीरंदाज' अपने पैरों में धनुष पकड़कर और मुंह और कंधे के संयोजन से तीर खींचकर निशाना साधती है। राकेश अपने व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे, शीतल प्री-क्वार्टर में हार गईं, लेकिन दोनों ने अब पैरा-तीरंदाजी में भारत के लिए दूसरा पदक जीतकर इसकी भरपाई कर ली है, एक शानदार कांस्य। शीतल देवी और राकेश कुमार ने शानदार अंदाज में पैरालिंपिक कांस्य जीता।

सुपरस्टार सुमित ने फिर से कमाल किया- बहुत कम भारतीय एथलीट कभी सुमित अंतिल जैसा स्वैग लेकर दौड़े हैं। उनके पास जितने पदक हैं, उतने और भी कम हैं। सुमित ने अपने विरोधियों को पूरी तरह से पछाड़कर टोक्यो पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीता, और उन्होंने तीन साल बाद पेरिस में भी ऐसा ही किया। सुमित ने शुरू में पहलवान बनने की योजना बनाई थी, लेकिन सड़क दुर्घटना में उसका बायां पैर कट जाने के बाद उसे अपने सपने छोड़ने पड़े। अस्पताल में महीनों रहने के बाद, कृत्रिम पैर ने उसके खेल के सपने को फिर से जीवित कर दिया... और अब वह दो बार पैरालंपिक चैंपियन है।

नित्या ने जीता कांस्य पदक- 23 मिनट में 21-14, 21-6 से मिली जीत अपनी कहानी खुद बयां करती है। पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नित्या श्री सिवन ने सोमवार को भारत के लिए कांस्य पदक जीतकर एक अलग ही कहानी बयां की। उन्होंने हाल ही में शुरू की गई SH6 श्रेणी में इंडोनेशिया की मार्लिना रीना को मात दी, उन्हें मात दी और आमतौर पर उन पर भारी पड़ी। यह श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है। 2019 में ही इस खेल में शामिल होने के बाद से ही वह तेजी से आगे बढ़ रही हैं और इस कांस्य पदक मैच ने यह दिखा दिया कि ऐसा क्यों है। निथ्या ने चतुराई से जगह का इस्तेमाल किया, एंगल्ड ड्रॉप्स के साथ रैलियों को खत्म करने से पहले क्लीयर को गहराई से और सटीक तरीके से आगे बढ़ाया, जिससे वह शुरू से अंत तक मैच पर नियंत्रण में रहीं। ।

पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेताओं को नीता अंबानी ने दी बधाई

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष नीता अंबानी ने चल रहे पेरिस पैरालंपिक 2024 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आपने हर भारतीय के दिल को गर्व से भर दिया है। रिलायंस फाउंडेशन के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जारी बयान में नीता अंबानी ने कहा कि पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय एथलीटों ने देश को गौरवान्वित करना जारी रखा है। नित्या सिवन, सुमित अंतिल, शीतल देवी, राकेश कुमार, सुहास यतिराज, तुलसीमति मुरुगेसन, मनीषा रामदास, नितेश कुमार, योगेश कथुनिया, निषाद कुमार, प्रीति पाल और रुबीना फ्रांसिस को पदक जीतने के लिए बधाई। आपकी उल्लेखनीय यात्राएं और जीत मानवीय भावना के

लचीलेपन का एक शानदार उदाहरण हैं। आपने हर भारतीय के दिल को अपार गर्व से भर दिया है और हमें दृढ़ता की शक्ति दिखाई है। उन्होंने आगे कहा कि लाखों लोगों को प्रेरित करते रहें, सीमाओं को आगे बढ़ाते रहें और तिरंगे को और भी अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाते रहें। आने वाले खेलों के लिए टीम इंडिया को शुभकामनाएं। जय हिंद। भारतीय एथलीटों ने मौजूदा पैरालंपिक में अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जिस कारण भारत ने अब तक तीन स्वर्ण पदक, पांच रजत और सात कांस्य पदक जीते हैं। भारत ने कुल 15 पदक अर्जित किए हैं और टोक्यो पैरालिंपिक 2020 के 19 पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ पांच पदक दूर है। भारत वर्तमान में पदक तालिका में 15वें स्थान पर है।

34 साल के हुए शमी को मिली प्रशंसकों और साथियों से बधाई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आज 34 साल के हो गये। उन्हें इस अवसर पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों से बधाई मिली है। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से शमी ने पिछले एक दशक में अपने प्रदर्शन से तीनो ही प्रारुपों में अपनी जगह बनायी है। शमी अपनी गति के साथ ही अपनी यार्कर के कारण भी प्रभावी रहे हैं। शमी ने एकदिवसीय विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। शमी के नाम टेस्ट में 229, एकदिवसीय में 195 और टी20 में 24 विकेट हैं। वह आज के दौर में सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं। टेस्ट डेब्यू में ही शमी ने पांच विकेट लिए थे। गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में शमी ने भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए

थे। वह चेतन शर्मा के बाद विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले केवल दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। उन्होंने 2019 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार तीन विकेट लिए थे। शमी के नाम एकदिवसीय विश्वकप में 50 से अधिक विकेट हैं। उन्होंने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स की ओर से खेला है। इसमें 110 मैचों में उनके नाम 127 विकेट हैं। उनके नाम 2023 आईपीएल में सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप भी है।

गठिया से पीड़ित साइना बोली , संन्यास पर कर रही विचार

नई दिल्ली। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने कहा है कि वह अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और आने वाले समय में संन्यास ले सकती हैं। साइना ने कहा है कि वह गठिया से पीड़ित है। इस साल के अंत तक उन्हें बैडमिंटन में अपने भविष्य के बारे में फिर से फैसला करना होगा। इस इस बीमारी के कारण उनके लिए कई घंटों तक अभ्यास करना संभव नहीं है। साइना अपने करियर में फिटनेस से भी परेशान रही हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की इस स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि वह अब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं कि उनका करियर अपने अंतिम चरण में है। नेहवाल ने कहा, घुटना बहुत अच्छा नहीं है। मुझे गठिया है। मेरी कार्टिलेज बहुत खराब स्थिति में है। अब 8 से 9 घंटे तक जोर लगाना बहुत कठिन है। साथ ही कहा कि ऐसी स्थिति में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों

को किस प्रकार से टक्कर दी जा सकती है। कुछ समय के अभ्यास से विश्वस्तर के खिलाड़ियों से मुकाबला संभव नहीं है। साइना ने कहा कि वह अभी भी इस बात पर विचार कर रही हैं कि संन्यास का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें निर्णय लेना ही होगा। उन्होंने कहा, मैं संन्यास के बारे में भी सोच रही हूं। यह दुखद होगा क्योंकि यह एक सामान्य व्यक्ति द्वारा की जाने वाली नौकरी की तरह है। जाहिर है, एक खिलाड़ी का करियर हमेशा छोटा होता है। मैंने 9 साल की उम्र में शुरुआत की थी। अगले साल मैं 35 साल की हो जाऊंगी। नेहवाल ने कहा, मेरा करियर भी लंबा रहा है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। मैंने अपने शरीर को काफी हद तक तोड़ दिया है। मैंने जो किया है और जो कुछ भी दिया है, उससे मैं खुश हूं। (मैं) इस साल के अंत तक आकलन करूंगी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं उसके बाद ही कोई फैसला करुंगी।

व्यापार

हल्की बढ़त के बाद फिसले शेयर बाजार

- सेंसेक्स 82,650 पर और निफ्टी 25,300 के स्तर पर

मुंबई। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच मंगलवार के कारोबारी दिन भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 मामूली बढ़त के साथ खुले। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 0.11 फीसदी की तेजी के साथ 82,652.69 पर था, जबकि निफ्टी 50 0.14 फीसदी की तेजी के साथ 25,313 पर था। हालांकि थोड़ी ही देर में शेयर बाजार ने अपनी तेजी को खो दिया और यह लाल निशान में फिसला गया। सेंसेक्स की कंपनियों

में टाटा मोटर्स का शेयर टॉप गेनर था जबकि बजाज फाइनेंस के शेयर में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं निवेशकों की नजर अदाणी ग्रीन एनर्जी पर भी टिकी हुई है। कंपनी दरअसल फ्रांस की टोटल एनर्जीज के साथ संबंधों को गहरा करने की योजना बना रही है। गिफ्ट निफ्टी सुबह 25,365.5 अंक पर कारोबार कर रहा था, जो यह दिखाता है कि एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 25,278.7 से अधिक खुलेगा। वहीं भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स पिछले सत्र में ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गए थे। निफ्टी 50 ने लगातार रिकॉर्ड 13वे दिन तेजी दर्ज की है। बीएसई सेंसेक्स 194.07 अंक की बढ़त के साथ 82,559.84 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 42.80 अंक की बढ़ोतरी के साथ 25,278.70 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं एशियाई शेयरों में नरमी देखी जा रही है। निवेशकों की नजर अमेरिका में डेटा-पैक सप्ताह पर है, जो यह निर्धारित कर सकता है कि इस महीने अपेक्षित फेडरल रिजर्व दर में कटौती नियमित होगी या सुपर-आकार की होगी। रिन्यूएबल एनर्जी फर्म अदानी ग्रीन एनर्जी और फ्रांस की तेल प्रमुख कंपनी टोटलएनर्जीज 44 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ एक नया जॉइंट वेंचर बनाने जा रही है। ऐसे में निवेशकों की नजर अदाणी ग्रीन के शेयर पर टिकी हुई है।

पेट्रोल-डीजल के भाव में हल्की गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर इसका असर देखने को मिल रहा है। हालांकि देश के 4 महानगरों में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई है जबकि कई बड़े शहरों और राज्यों में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल-डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। ब्रेंट मामूली गिरावट के साथ 77.11 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है जबकि क्रूड 73.79 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और

डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.83 रुपये और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.74 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इंदौर में पेट्रोल 106.47 रुपये और डीजल 91.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

विश्व बैंक का भारत की वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट में कहा कि भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है उसकी वृद्धि दर 2024-25 में सात प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

इसमें कहा गया है कि कृषि क्षेत्र में सुधार से उद्योग में आई मामूली गिरावट की आंशिक भरपाई हो जाएगी और सेवाएं मजबूत बनी रहेंगी। कृषि में अपेक्षित सुधार से ग्रामीण मांग में भी सुधार होगा।

सेबी की चीफ के साथ जुड़ा आईसीआईसीआई बैंक का नाम, शेयरों में आई गिरावट

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने कांग्रेस द्वारा मार्केट रेग्युलेटर सेबी की चीफ माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। बैंक ने इसको लेकर दो टूक कहा कि सेबी चेयरपर्सन के रिटायर होने के बाद उनके सेवानिवृत्ति लाभों के अलावा किसी भी तरह का कोई वेतन या ईएसओपी नहीं दिया गया है। बता दें कि बुच को मुद्दा बनाते हुए बीजेपी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने दावा किया था कि सेबी चीफ एक साथ तीन जगहों आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल और सेबी से एक साथ सैलरी ले रही थीं। कांग्रेस के आरोपों के बाद इन पर अपना स्पष्टीकरण देते हुए आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि आईसीआईसीआई बैंक या इसकी अन्य ईकाई ने माधबी पुरी बुच को उनके रिटायरमेंट के बाद सिर्फ रिटायरमेंट

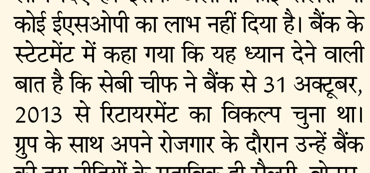

लाभ दिए हैं। इसके अलावा कोई सैलरी या कोई ईएसओपी का लाभ नहीं दिया है। बैंक के स्टेटमेंट में कहा गया कि यह ध्यान देने वाली बात है कि सेबी चीफ ने बैंक से 31 अक्टूबर, 2013 से रिटायरमेंट का विकल्प चुना था। ग्रुप के साथ अपने रोजगार के दौरान उन्हें बैंक की तय नीतियों के मुताबिक ही सैलरी, बोनस, ईएसओपी और रिटायरमेंट बेनेफिट्स मिला था जबकि रिटायरमेंट के बाद कोई अलग से बेनेफिट नहीं दिया गया। इसके बाद से ही माधबी बुच कांग्रेस के निशाने पर आ गई। कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने सेबी चीफ को लेकर कई दावे किए थे। उन्होंने बीजेपी पर भी निशाना साधते हुए कहा था कि इस देश में शतरंज का खेल चल रहा है लेकिन खिलाड़ी कौन है, इस पर हम निर्णायक तौर पर नहीं पहुंचे हैं। अलग-अलग मोहरे हैं. उनमें से एक मोहरा जिनका नाम है माधबी पुरी बुच। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए कहा था कि सेबी चीफ माधबी को 2017 और 2024 के बीच आईसीआईसीआई बैंक से 16.8 करोड़ रुपए की नियमित आय प्राप्त हुई। उन्होंने सवाल किया कि अगर आप पूर्णकालिक सेबी सदस्य हैं, तो आप आईसीआईसीआई बैंक से वेतन क्यों ले रही थीं। यही नहीं ईएसओपी और इसका टीडीएस भी आईसीआईसीआई बैंक से ले रही थीं। इन्हें लेकर बैंक ने स्टेटमेंट जारी कर स्थिति साफ की है। सेबी चीफ पर आरोपों में आईसीआईसीआई बैंक का नाम शामिल किए जाने और इस पर बैंक के स्पष्टीकरण का असर आज इस बैंकिंग स्टॉक पर देखने को मिला है। बीते कारोबारी दिन जब कांग्रेस की ओर से ये आरोप लगाए गए थे, तब आईसीआईसीआई बैंक शेयर मामूली गिरावट के साथ क्लोज हुआ था। 1239 रुपए पर ओपन होने के बाद ये शेयर स्टॉक बाजार में कारोबार खत्म होने पर 1229.05 रुपए पर बंद हुआ। वहीं मंगलवार को भी इस शेयर में गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में ये शेयर टूटकर 1227.20 रुपए पर खुला और कुछ ही मिनटों में 122.05 रुपए तक टूट गया।

सूर्या स्टारर कंगुवा की रिलीज डेट बदली?,

रजनीकांत-आलिया भट्ट नहीं कार्तिक आर्यन से होगी फिल्म की टक्कर

तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा को लेकर चौंकाने वाला अपडेट आया हैं. कगुंवा तमिल सिनेमा से साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. फिल्म मौजूदा साल की 10 अक्टबूर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है. इस दिन साउथ सुपरस्टार थलाइवा रजनीकांत, अमिताभ बच्चन स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म वेट्टैयन भी रिलीज होनी है. दशहरा पर कंगुवा का मुकाबला आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा से भी होगा. कहा जा रहा है कि सूर्या और बॉबी की फिल्म दिवाली 2024 पर धमाका करने जा रही है. बता दें, दिवाली पर बॉलीवुड से कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 से टकराने जा रही है. पीरियड फैंटेसी फिल्म कंगुवा 31 नवंबर 2024 को रिलीज होने जा रही है, लेकिन मेकर्स ने इन अटकलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की है. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसमें सूर्या और बॉबी के खौफनाक सीन देखने को मिले थे. फिल्म में दिशा पटानी लीड रोल में होंगी. फिल्म बॉबी देओल मुख्य विलेन का किरदार निभा रहे हैं. फिल्म में कोवई सराला, जिस्सू सेनगुप्ता, योगी बाबू, रेडिन किंग्स्ले, नटराजन सुब्रामण्यमस, आनंद राज, रवि राघवेंद्र, केएस रविकुमार, दीपा वेकंट सपोर्टिंग रोल में होंगे. फिल्म में पुष्पा फेम म्यूजिक डायरेक्टर देवी श्री प्रसाद का म्यूजिक होगा.

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी का गाना ए मेरी जान रिलीज

पक्ष-विपक्ष में दिखी देशभक्ति

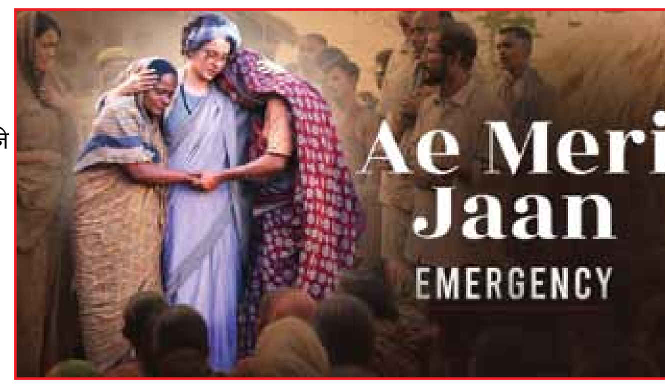

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर मुसीबतों के बादल मंडरा रहे हैं यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है लेकिन कई संगठन इसे बैन करवाने पर तुले हुए हैं. इसी बीच फिल्म का नया गाना ए मेरी जान मेकर्स ने रिलीज कर दिया है. जिसमें कंगना और विपक्ष की आंखों में देशभक्ति साफ देखी जा सकती है. फिल्म का पहला गाना सिंहासन खाली करो था जिसमें विपक्ष को आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाते हुए देखा गया था. अब मेकर्स ने फिल्म से दूसरा गाना रिलीज किया है जिसका टाइटल ए मेरी जान है. फिल्म में इमरजेंसी लगने पर देश के बिगड़े हालात की झलक दिखाई गई है. पक्ष विपक्ष देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत दिखाई दे रहे हैं. सोशल मीडिया पर गाना रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा- ऐ मेरी जान मुझे जान से भी प्यारा है तू, राष्ट्र के प्रति परम प्रेम, प्रेम की घोषणा ए मेरी जान अब जारी. 6 सितंबर को सिनेमाघरों में इमरजेंसी. वहीं फैंस भी इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफ कर रहे हैं. शिरोमणि अकाल दल और सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म पर पूरी तरह से बैन लगाने की मांग की है. इमरजेंसी फिल्म साल 1975 में देश में लगी इमरजेंसी और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की एक सिख द्वारा की गई हत्या को दिखाया गया है. यह विवाद उस वक्त उठा जब फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ था. ऐसे में सिख कम्यूनिटी कंगना रनौत और सेंसर बोर्ड को लीगल नोटिस भेज चुकी है. इमरजेंसी 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है देखना दिलचस्प होगा कि बैन के लिए उठ रही मांगो का फिल्म की रिलीज पर क्या असर पड़ता है. फिल्म कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी जैसे कलाकार खास रोल में हैं.

शिवमणि के लाइव शो को अभिनेत्री निकिता दत्ता ने बताया मैजिकल

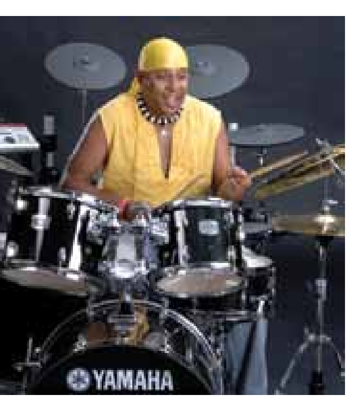

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने तालवादक आनंदन ड्रम्स शिवमणि के प्रदर्शन की एक झलक शेयर की है। उन्?होंने इसे जादुई अनुभव बताया है। इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन फॉलोअर्स वाली निकिता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शिवमणि अपने हुनर से सबको मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। क्लिप का कैप्शन है, शिवमणि को लाइव देखा.. वाकई जादुई। चेन्नई की रहने वाले पर्कशनिस्ट पद्म श्री शिवमणि ड्रम, ऑक्टोबन, दरबुका, उडुकाई, घाटम और कंजीरा जैसे वाद्य यंत्र बजाते हैं। वहीं, 33 वर्षीय अभिनेत्री निकिता एक एक्टर हैं। जिन्होंने शुरुआत मॉडलिंग से की। 2012 में फेमिना मिस इंडिया में भाग लिया था। उन्होंने 2014 में रोमांटिक कॉमेडी लेकर हम दीवाना दिल से अपनी अभिनय यात्रा शुरु की। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अरमान जैन और दीक्षा सेठ मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल-एक लड़की दीवानी सी से अपना टेलीविजन डेब्यू किया। निकिता ने मोहसिन खान के साथ एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री लक्ष्मी की भूमिका निभाई थी। इसमें श्रद्धा आर्या, सुदीप साहिर, कुणाल वर्मा और खालिद सिद्दीकी ने काम किया था। नामिक पॉल के साथ एक दूजे के वास्ते में सुमन की भूमिका ने उनके करियर को एक नया मोड़ दिया। 2017 से 2018 तक, उन्होंने हासिल में जायद खान और वत्सल सेठ के साथ एक वकील की भूमिका निभाई। ये उनका आखिरी टीवी शो था। 2018 में अक्षय कुमार के अपोजिट स्पोर्ट्स फिल्म गोल्ड के साथ निकिता ने फिल्मों में वापसी की। इसके बाद वह लस्ट स्टोरीज, कबीर सिंह, मस्का, द बिग बुल, डायबुक और रॉकेट गैंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं। फिल्मों की बात करें तो उन्हें आखिरी बार बिजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा डांगे में ऋषिका के रूप में देखा गया था। फिल्म को हिंदी और तमिल में एक साथ शूट किया गया था और इसमें हर्षवर्धन राणे और एहान भट मुख्य भूमिकाओं में थे। निकिता को नीरज पांडे द्वारा बनाई गई वेब सीरीज खाकी: द बिहार चैप्टर में भी देखा गया था। इसमें करण टैकर (आईपीएस अमित लोढ़ा के रूप में) मुख्य भूमिका में हैं। वह क्राइम थ्रिलर सीरीज में अमित की पत्नी तनु लोढ़ा का किरदार निभा रही हैं। घराट गणपति से निकिता मराठी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। नवज्योत नरेंद्र बांदीवाडेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में भूषण प्रधान, अजिंक्य देव, अश्विनी भावे के साथ संजय मोने, शुभांगी लाटकर और शुभांगी गोखले भी है। निकिता के पास 'ज्वेल थीफ: द रेड सन चैप्टर और 'गुल गुले बकावली भी हैं।

बॉक्स ऑफिस पर नानी की फिल्म सारिपोधा सानिवारम की जलवा

वर्ल्डवाइड 50 करोड़ का आंकड़ा किया पार

नानी की नवीनतम फिल्म, सारिपोधा सानिवारम ने बॉक्स ऑफिस पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जिसने केवल तीन दिनों में दुनिया भर में 52.18 करोड़ की कमाई की है। तेलुगु राज्यों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद, फिल्म ने एपी और टीएस में उच्चतम संग्रह दर्ज किया है, पिछले 24 घंटों में बुकमायशो पर 204के से अधिक टिकट बुक किए गए हैं। यह नानी की लगातार तीसरी फिल्म है जो इस मील के पत्थर तक पहुँची है, इससे पहले दशहरा और हाय नन्ना ने यह उपलब्धि हासिल की थी। सारिपोधा सानिवारम विदेशों में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है, जिसमें उत्तरी अमेरिका पहला क्षेत्र है जिसने ब्रेकईवन मार्क हासिल किया है, जिसने $1.5 मिलियन से अधिक की कमाई की है। सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण अगले दो दिनों में और अधिक संख्या में उम्मीद के साथ फिल्म की सफलता जारी रहने की उम्मीद है। विवेक अथरेया द्वारा निर्देशित और डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम एक शानदार प्रोडक्शन वेंचर साबित हो रही है। फिल्म ने मात्र तीन दिनों में दुनिया भर में 52.18 करोड़ की कमाई की है, जो नानी की स्टार पावर और फिल्म की आकर्षक कहानी का प्रमाण है। उत्तरी अमेरिका में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, सारिपोधा सानिवारम विदेशी बाजार में नानी के लिए एक बेंचमार्क बनने के लिए तैयार है। चूंकि फिल्म दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखती है, इसलिए इसकी सफलता से टॉलीवुड में एक प्रमुख अभिनेता के रूप में नानी की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है।

निवेथा थॉमस-स्टारर फैमिली ड्रामा फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को होगी रिलीज

अभिनेत्री निवेथा थॉमस की आगामी फैमिली ड्रामा फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू पारिवारिक बंधनों की जटिलता पर बात करती है। इसमें जीवन पर विपरीत दृष्टिकोण से देखने वाले दो भाई-बहनों के बीच के संघर्ष को दिखाया गया है। निवेथा इसमें एक मध्यम वर्ग की महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी आकांक्षाओं और पारिवारिक कर्तव्यों के बीच फंसी हुई है। फिल्म यह पता लगाती है कि ये परस्पर विरोधी विचार उनके रिश्तों को कैसे आकार देते हैं और उनके जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं। इस फिल्?म को बेहद ही कम बजट में बनाया गया है। इसका निर्देशन नंद किशोर इमानी ने किया है। 35-चिन्ना कथा काडू एक भावनात्मक रूप से आकर्षक अनुभव देने का वादा करती है। निवेथा ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में लोकप्रिय धारावाहिक माई डियर बूथम से की। उसके बाद उन्होंने वेरुथे ओरु भार्या में जयराम की बेटी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें कुछ तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिनमें चप्पा कुरीश और थट्टाथिन मरायथु और पोराली शामिल हैं। निवेथा ने 2016 में जेंटलमैन से तेलुगु फिल्म में डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें रोमांस, जिल्ला, पापनासम, निन्नू कोरी, जय लव कुश, 118, ब्रोचेवरेवरुरा, वी, वकील साब जैसी हिट फिल्मों में देखा गया, जो अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू अभिनीत हिंदी फिल्म पिंक की तेलुगु रीमेक थी। उन्हें दरबार फिल्म में रजनीकांत की बेटी का किरदार निभाते हुए देखा गया।

अक्षरा सिंह ने स्टालिश आउटफिट में गिराई बिजली

कैमरा के सामने दिए किलर पोज

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह यूपी, बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपने फैंस के बीच खास अंदाज के लिए मशूहर हैं। अक्षरा सिंह अपनी अदाओं से जादू बिखरने के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के लिए वीडियो और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही छा जाते हैं। भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हॉट वीडियो शेयर किया है, जिनमें उनका स्टाइलिश अवतार देखने को मिल रहा है. इस वीडियो में अक्षरा सिंह बेहद ग्लैमरस लग रही हैं और उनके ग्लोइंग मेकअप और खास अंदाज में बंधे हुए बालों ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है. अक्षरा सिंह वीडियो में एक से बढ़कर किलर पोज दे रही हैं. इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कुछ ही समय में इन वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है और यह तेजी से वायरल हो रहा है. खूबसूरत अदाकाराओं में से एक अक्षरा सिंह की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बता दें, करीब 3.2 मिलियन लोग अक्षरा को फॉलो करते हैं। अक्षरा सिंह का जन्म भले ही मुंबई में हुआ हो लेकिन वो मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना की रहने वाली हैं. भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के पेरेंट्स भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा है. अक्षरा राजपूत समाज से ताल्लुक रखती हैं.